●वर्ष : 16 ●अंक : 229 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

गुरुवार 12 दिसम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen . (9315755133 / ya email Karen) angenpharmaceuticals@gmail.com

समाचार

अरविंद केजरीवाल ने इलेक्शन कमीशन से की मुलाकात

बीजेपी के खिलाफ 3000 पन्नों के दिए सबूत

नूना न्यूज एजेंसी।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और सीएम आतिशी मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने चुनाव आयोग पहुंचे थे। केजरीवाल ने बीजेपी पर वोटर लिस्ट से वोट काटने की कोशिश का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आज हमने चुनाव आयोग से मुलाकात की और उनके सामने 3000 पन्नों के सबूत सौंपे कि कैसे बीजेपी दिल्ली के लोगों के वोट काटने की साजिश कर रही है। गरीबों, अनुसूचित जाति और दलितों के वोट काटे जा रहे हैं। एक वोट का महत्व आप भली-भांति जानते हैं। केजरीवाल ने आगे कहा कि हमने चुनाव आयुक्त को बताया कि कैसे एक बीजेपी सदस्य ने शाहदरा इलाके में 11,000 लोगों के वोट काटने का काम किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने चुनाव आयोग से अनुरोध किया है कि चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर नाम हटाने की प्रक्रिया को रोका जाए और उन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए जिन्होंने बड़े पैमाने पर नाम हटाने का आवेदन किया है। एउ ने कहा है कि चुनाव से पहले कोई भी बड़े पैमाने पर डिलीट नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकताओं ने विभिन्न विधानसभाओं में हजारों मतदाताओं के नाम काटने की आवेदन चुनाव आयोग को दी हैं। चुनाव आयोग ने भी इन आवेदन पर चोरी-छिपे काम करना शुरू कर दिया है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने हमारी शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए एक्शन लेने का आश्वासन दिया है।प्रतिनिधिमंडल में दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, राज्यसभा सांसद संजय सिंह और राघव चड्ढा और पार्टी नेता जैस्मीन शाह शामिल थे। बैठक को सफल बताते हुए आप सुप्रीमो ने त्वरित कार्रवाई के लिए चुनाव आयोग का आभार व्यक्त किया। अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही कथित मतदाता विलोपन एक विवादास्पद मुद्दा बन गया है।

आंबेडकर की प्रतिमा का अपमान, महाराष्ट्र में हिंसा और आगजनी, फोर्स तैनात

महाराष्ट्र। के परभणी में कथित बाबा साहेब अंबेडकर की मूर्ति को लेकर बड़ी हिंसा भड़क गई। प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में आग लगा दी और कहा कि वे बाबा साहब और संविधान का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। आंदोलनकारियों ने प्रतिमा का अपमान करने वालों को कड़ी सजा देने की मांग की। हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही थी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गए। उपद्रवी लोगों को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद थे। एक अज्ञात व्यक्ति ने परभणी रेलवे स्टेशन के बाहर बीआर अंबेडकर की मूर्ति के पास लगी संविधान की प्रतिकृति को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिसके बाद आगजनी और पथराव हुआ। इस बीच, वंचित बहुजन अघाड़ी के अध्यक्ष प्रकाश अंबेडकर ने प्रदर्शनकारियों को अपना समर्थन दिया।

महाराष्ट्र: परभणी में संविधान के अपमान पर बवाल

हिंसा-आगजनी के बाद पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले; एक गिरफ्तार

पुलिस ने एक उपद्रवी को किया गिरफ्तार

वंचित बहुजन अघाड़ी के अध्यक्ष प्रकाश अंबेडकर ने घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि परभणी में जातिवादी मराठा उपद्रवियों ने बाबासाहेब की प्रतिमा पर भारतीय संविधान की धज्जिया उड़ाईं। यह बहुत ही शर्मनाक है। यह पहली बार नहीं है, जब बाबासाहेब और उनके द्वारा बनाए गए संविधान का अपमान किया गया है। वीबीए परभणी जिले के कार्यकर्ता सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचे और उनके विरोध प्रदर्शन के कारण पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने उपद्रवियों में से एक को गिरफ्तार भी किया है।

नूना न्यूज एजेंसी।

महाराष्ट्र। के परभणी से हिंसा और आगजनी की खबरें आ रही हैं। जानकारी के मुताबिक, यहां कुछ उपद्रवी तत्वों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास संविधान का अपमान किया। इससे लोग नाराज हो गए। अंबेडकर और संविधान का अपमान देख लोग भड़क गए। देखते ही देखते मामला तोड़फोड़ तक पहुंच गया। लोगों ने जमकर पत्थरबाजी की। नाराज भीड़ ने इलाके में कई जगह आगजनी की। हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे।

परभणी के डीएम रघुनाथ खांडू गावड़े ने कहा कि पुलिस प्रशासन सड़क पर है। हमने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया है। हमने अतिरिक्त पुलिस बुला ली है। इसलिए मैं सभी से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील करता हूं।

वहीं केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा, कल एक व्यक्ति ने बाबा साहब की मूर्ति के सामने संविधान का शीशा तोड़ दिया, यह संविधान और बाबा साहब का अपमान है। पुलिस ने आरोपी को तुरंत गिरफ्तार किया। हम मांग करते हैं कि उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इसकी जांच होनी चाहिए - अगर देवेंद्र फडणवीस सरकार के सत्ता में आने के बाद कोई माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहा है। मैं आज दिल्ली में सीएम से मिलूंगा और उनसे इस मामले पर चर्चा करूंगा। जिन अंबेडकरवादियों ने विरोध प्रदर्शन किया है, मैं उनसे अपील करता हूं कि वे अपना विरोध शांतिपूर्ण रखें।

इस मामले में एनसीपी-एसपी सांसद फौजिया तहसीन खान ने कहा कि, परभणी मेरा गृहनगर है और मुझे दुख है कि वहां ऐसी घटना हुई है। मैं लोगों से अपील करती हूं कि वे शांति बनाए रखें और ऐसे मामलों का शिकार न बनें। इससे पहले हिंदू महासभा ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था - विरोध प्रदर्शन में शामिल किसी व्यक्ति ने डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्ति के सामने संविधान के शीशे पर पत्थर फेंका था - जिसके बाद विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया। भारत में संविधान के प्रति अनादर को कोई बर्दाश्त नहीं कर सकता।

परभणी के कलेक्टर कार्यालय में तोड़फोड़

पुलिस ने बताया कि भारतीय संविधान की प्रतिकृति को नुकसान पहुंचाने पर मध्य महाराष्ट्र के परभणी शहर में बुधवार को दूसरे दिन भी हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। अधिकारियों ने बताया कि अंबेडकरवादी कार्यकताओं की तरफ से बुलाए गए बंद के दौरान भीड़ ने आगजनी की और जिला कलेक्टर कार्यालय में तोड़फोड़ की गई।

वारदात की जांच की मांग कर रहे थे प्रदर्शनकारी

पुलिस ने यह भी कहा कि हम सभी से कानून और व्यवस्था बनाए रखने का अनुरोध करता हूं। अगर अगले 24 घंटों के भीतर सभी उपद्रवियों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो परिणाम भुगतने होंगे। कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक यशवंत काले ने कहा कि बुधवार दोपहर करीब एक बजे एक दुकान के बाहर पाइपों में आग लगा दी गई। जैसे ही भीड़ हिंसक हो गई, पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और उन्हें तितर-बितर किया। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि पुलिस को पता लगाना चाहिए कि तोड़फोड़ की घटना के पीछे कौन था? स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के वासमत इलाके में भी बंद रहा।

परभणी मामले पर सियासी दलों की प्रतिक्रिया

परभणी शहर में हुई हिंसा पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा, जब से यह सरकार (महायुति) सत्ता में आई है, यहां ऐसी घटनाएं आम हो गई हैं। लोगों को शांति बनाए रखनी चाहिए, सभी जानते हैं कि हम, महाराष्ट्र के लोग हमेशा बाबासाहेब और उनके विचारों के साथ रहे हैं।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

भाजपा के खिलाफ 27 में फिर बदलेगा सियासी समीकरण

उत्तर प्रदेश में बीजेपी के खिलाफ एक बार फिर से सियासी समीकरण काफी तेजी के साथ बदल रहा हैं। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और योगी सरकार की विरोध की हांडी नहीं पक पाने के कारण प्रदेश में एक बार फिर से नए सियासी समीकरण उभरते नजर आ रहे हैं। इस नये समीकरण में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी का अहम रोल हो सकता है। इसी वजह से समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन की कमान ममता बनर्जी को दिये जाने की मांग का भी समर्थन कर रहे हैं। हो सकता है 2027 के विधानसभा चुनाव के समय तक समाजवादी पार्टी कांग्रेसी पंजे से अपना हाथ छुड़ाकर ममता बनर्जी के कहने पर एक बार फिर से मायावती के सात बुआ भतीजे वाला रिश्ता निभाते नजर आए। ऐसा होता है तो यूपी में कांग्रेस को बड़ा झटका लग सकता है। यह संभावना है इसलिए बढ़ रही है क्योंकि पिछले कुछ दिनों या महीनों से कांग्रेस समाजवादी पार्टी के मुस्लिम वोट बैंक में सेंधमारी की कोशिश कर रही है। सपा-कांग्रेस के बीच दूरियां लगातार बढ़ने के साथ एक-दूसरे के खिलाफ सार्वजनिक मंचों से बयानबाजी भी हो रही है। महाराष्ट और हरियाणा के चुनाव में कांग्रेस की नाकामी भी इसमें एक अहम कड़ी समझा जा रहा है। यही दूरियां ही हैं कि संसद के अंदर भी सपा-कांग्रेस विभिन्न मुद्दों पर मजबूती से एक साथ नहीं दिख रहे हैं।सपा नेताओं का कहना है कि संभल मामले में उसके सांसद पर मुकदमे दर्ज किए जाने का कांग्रेस ने उस तरह विरोध नहीं किया जैसी उससे अपेक्षा थी। बताते हैं कि लोकसभा में फैजाबाद (अयोध्या) के सपा सांसद अवधेश प्रसाद की सीट पीछे होने पर भी दोनों दलों के रिश्तों में दरार आई है। सपा का मानना है कि सीटिंग प्लान पर बात के समय कांग्रेस ने उसे भरोसे में नहीं लिया। वहीं, कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि सदन में अदाणी मामले में उसे सपा का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। हाल यह है कि जेल में बंद सपा के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री आजम खान ने भी इंडिया ब्लॉक को जेल से एक संदेश भेजा है। इसमें उन्होंने कहा है कि इंडिया ब्लॉक को मुसलमानों पर हो रहे हमलों पर अपनी नीति स्पष्ट करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने समाजवादी पार्टी को भी लिखा कि संभल की घटना के जैसे ही रामपुर में हुए अत्याचार का मुद्दा भी संसद में उतनी ही मजबूती से उठाना चाहिए।

SYED ZAKI HAIDER

(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

राज्यसभा में भारी हंगामा, कल्याण बनर्जी ने मांगी माफी

नूना न्यूज एजेंसी।

संसद का शीतकालीन सत्र अपने आखिरी पड़ाव में बढ़ चुका है। हालांकि अभी दोनों सदनों की कार्यवाही नियमित रूप से नहीं चल पा रही है। राज्यसभा और लोकसभा में अभी भी जबरदस्त हंगामे का दौर जारी है। दोनों सदनों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच वार-पलटवार का दौर देखने को मिला। अडानी मुद्दा और सोरोस मुद्दा पर दोनों पक्ष आमने-सामने है जिसकी वजह से दोनों सदनों के कार्यवाही नहीं चल पा रही है। सरकार ने बताया कि एनआईए ने जिन मामलों की जांच की है उनमें दोषसिद्धि दर 95.23 प्रतिशत है। संसद में इस बात की जैनकारी दी गई है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 9,845 यूआरएल ब्लॉक करने के आदेश दिए है। साथ ही लोकसभा ने रेल (संशोधन) विधेयक, 2024 को पारित किया।

>> लोकसभा की कार्यवाही

तृणमूल कांग्रेस सदस्य कल्याण बनर्जी की केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को लेकर की गई टिप्पणी पर सत्तापक्ष के सांसदों के हंगामे के कारण बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही शाम पांच बजकर एक मिनट पर दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। बनर्जी की टिप्पणी के दौरान तृणमूल कांग्रेस और सत्ता पक्ष के सदस्यों के बीच

तीखी नोकझोंक हुई। हालांकि, बनर्जी ने अपनी टिप्पणी के लिए सिंधिया से माफी मांगी, लेकिन केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह अपने खिलाफ निजी हमले और भारत की महिलाओं के खिलाफ बयान पर विपक्षी सांसद की माफी स्वीकार नहीं कर रहे।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि कश्मीर को कन्याकुमारी से जोड़ने वाली रेल परियोजना तैयार हो गई है और अगले चार महीने के अंदर इस पर रेलगाड़ी चलेगी। वैष्णव ने लोकसभा में ह्यरेल (संशोधन) विधेयक, 2024 पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही। केंद्र सरकार को रेलवे में युवाओं को अधिक से अधिक अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध बताते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि रेलवे में 58,642 रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि विपक्षी दलों को भारतीय रेल के निजीकरण का फर्जी विमर्श गढ़ने के विरुद्ध आगाह क्योंकि इस परिवहन सेवा के निजीकरण का प्रश्न ही नहीं उठता।

कांग्रेस सांसद सप्तगिरि ओलाका ने पोलावरम परियोजना को लेकर ओडिशा में कोई सर्वे नहीं होने का दावा करते हुए बुधवार को लोकसभा में कहा कि आंध्र प्रदेश की इस परियोजना से ओडिशा के 162 गांव डूब जाएंगे और हजारों एकड़ जमीन जलमग्न हो जाएगी।

>> राज्यसभा की कार्यवाही

राज्यसभा में बुधवार को सभापति जगदीप धनखड़ को पद से हटाने के प्रस्ताव संबंधी नोटिस और जार्ज सोरोस से कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के संबंधों के आरोपों के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने भारी हंगामा किया, जिसकी वजह से सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। पहली बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे जब सदन की कार्यवाही आरंभ हुई तो आसन पर उपसभापति हरिवंश थे। उन्होंने प्रश्नकाल शुरू करने की कोशिश की लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष की ओर से हंगामा शुरू हो गया। हंगामे के बीच सदन के नेता जे पी नड्डा ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्य पिछले दो दिनों से जार्ज सोरोस और कांग्रेस के वरिष्ठतम सदस्य के संबंधों का मुद्दा उठाने का प्रयास कर रहे हैं और इसीलिए इस मुद्दे को भटकाने के उद्देश्य से विपक्ष की ओर से आसन पर आक्षेप लगाने का कुत्सित प्रयास किया गया है।

सीएम के काफिले की गाड़ी पलटी

घायलों को अस्पताल लेकर पहुंचे भजनलाल

पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा का बयान

पीसीसी चीफ गोविंदसिंह डोटासरा ने इस दुर्घटना को लेकर सोशल मीडिया पर लिखा है कि "मुख्यमंत्री के काफिले में वाहन दुर्घटना से कई पुलिसकर्मियों और नागरिकों के घायल होने की खबर अत्यंत दुखद है। सरकार को उच्च स्तरीय जांच करानी चाहिए। ईश्वर की कृपा से मुख्यमंत्री सुरक्षित हैं। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।"

नूना न्यूज एजेंसी।

राजस्थान। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के काफिले में तैनात एक गाड़ी को सामने से रॉन्ग साइड आ रही टैक्सी नंबर की गाड़ी ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में टैक्सी में सवार दो लोगों के साथ ही पांच अन्य लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री पहले खुद घायलों को महात्मा गांधी हॉस्पिटल लेकर गए।

जानकारी के अनुसार सीएम के काफिले की एक गाड़ी समेत तीन वाहन आपस में टकराए हैं। इससे

गाड़ी में मौजूद कुछ पुलिसकर्मियों को भी मामूली चोटें आई हैं। साथ ही हादसे में दो राहगीरों समेत तीन पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। गौरतलब है कि हादसे से कुछ देर पहले इसी रास्ते से उपराष्ट्रपति का काफिला भी निकला था।

एक्सीडेंट के बाद एनआरआई सर्कल के पास ट्रैफिक को नियंत्रित कर लिया गया है और सीएम का काफिला भी वापस रवाना हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर बहुत भीषण बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि टक्कर मारने वाली टैक्सी गाड़ी की रफ्तार 120 से 130 किमी प्रतिघंटा थी।

घटना की सूचना मिलते ही कैबिनेट मंत्री झाबर सिंह और राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी जीवन रेखा अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना।

हादसे की गंभीरता को देखते हुए मामले की जांच के लिए उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। घटना का कारण और जिम्मेदारों का पता लगाया जा रहा है। हादसे के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जिस संवेदनशीलता का परिचय दिया उसकी सभी ओर सराहना हो रही है।

मुख्यमंत्री ने दिखाई संवेदनशीलता

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटना के तुरंत बाद अपनी गाड़ी से उतरकर घायलों की मदद की। उन्होंने एक घायल को अपनी गाड़ी में बिठाकर अस्पताल पहुंचाया और खुद स्ट्रेचर पर लेकर महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया।

>> घायलों का इलाज जारी

एनआरआई सर्कल के पास ही जीवन रेखा अस्पताल में एक गंभीर घायल व्यक्ति को भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। महात्मा गांधी अस्पताल में दूसरे घायल व्यक्ति का इलाज चल रहा है। हादसे में घायल पांच पुलिसकर्मियों को भी जीवन रेखा अस्पताल में भर्ती कराया गया है, इनमें से चार को फ्रैक्चर और मामूली चोटें आई हैं। मुख्यमंत्री ने दोनों अस्पतालों के चिकित्सकों को घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं।

पीएम मोदी ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन में युवाओं में भरा जोश

>> कहा- युवा का विजन ही सरकार का मिशन

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। पीएम मोदी ने बुधवार को स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन २०२४ के ग्रांड फिनाले में भाग लिया। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये हैकॉथान में शामिल हुए युवाओं को संबोधित किया। पीएम ने कहा कि मैंने हमेशा लालकिले से एक बात कही है कि सबका प्रयास। आज का भारत सभी के प्रयास से ही तेज गति से आगे बढ़ रहा है। स्मार्ट इंडिया

हैकाथॉन के ग्रैंड फिनाले का मुझे बहुत इंतजार था। जब भी आप जैसे युवा इनोवेटर्स के बीच आने का मौका मिलता है तो मुझे भी बहुत कुछ जानने, सीखने और समझने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि युवा का विजन ही सरकार का मिशन है। इसलिए मेरे नौजवानों को जो भी चाहिए सरकार के रूप में हम उस दिशा में काम कर रहे हैं। मैंने लाल किले से कहा है कि देश की राजनीति में एक लाख ऐसे युवाओं को लाऊंगा, जिनके परिवार से पहले कोई भी राजनीति में न रहा हो।

पीएम ने कहा कि युवा इनोवेटर्स के पास २१वीं सदी के भारत को लेकर एक अनूठा नजरिया है। जो नवाचार समाधानों की ओर ले जाता है। जब आपके सामने नई चुनौतियां आती हैं, तो आप असाधारण जवाब देते हैं। यही सबसे बड़ी और अनोखी बात है। मैंने पहले भी हैकाथॉन में भाग लिया है और आपने मुझे कभी निराश नहीं किया। आपने मेरा मनोबल बढ़ाया है। आपकी पिछली टीमों द्वारा प्रस्तुत समाधान अब विभिन्न मंत्रालयों में उपयोग किए जा रहे हैं, जिससे पूरे देश में महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि हर बच्चा खास होता है और उसे बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिलना चाहिए। किसी को भी पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए या खुद को उपेक्षित महसूस नहीं करना चाहिए। इसे हासिल करने के लिए, लगातार नए-नए समाधानों की आवश्यकता है। आपकी टीम के संबंधित समाधान लाखों बच्चों के जीवन को बदल देंगे। पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की अग्रणी डिजिटल इकोनॉमी में से एक है। हमारा देश बड़े पैमाने पर डिजिटली कनेक्ट हो रहा है, ऐसे में साइबर क्राइम का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है, इसलिए जिन समाधानों पर आप काम कर रहे हैं, ये भारत के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। आज देश में ड्रोन का अलग-अलग सेक्टर्स में बहुत इस्तेमाल हो रहा है। ड्रोन आजकल रिमोट एरिया में दवाएं और जरूरी सामान पहुंचाने में इस्तेमाल किए जा रहे हैं। लेकिन देश के दुश्मन भारत में हथियारों और ड्रग्स की तस्करी में ड्रोन का भरपूर उपयोग कर रहे हैं। खुशी की बात है कि आप सभी ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रहे हैं, इसके लिए मैं आपको बधाई देता हूं।

>> भारत की ताकत युवाशक्ति

आप सभी को पता है कि भविष्य की दुनिया ज्ञान और नवाचार से ही चलने वाली है। ऐसे में आप सभी भारत की आशा और प्रेरणा हैं। आज दुनिया कह रही है कि भारत की ताकत हमारी युवाशक्ति है। हमारा इनोवेटिव यूथ हमारी टेक पावर है। आज भारत की आकांक्षाएं हर चुनौती से निपटने के लिए अलग सोच की मांग करती हैं। हमें हर क्षेत्र में एक अभिनव दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, इसे अपनी आदत बनाना चाहिए। विशेष रूप से इस हैकाथॉन के संबंध में प्रक्रिया उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी इसका उत्पाद। पीएम ने कहा कि बीते साल सालों में जितने भी हैकाथॉन हुए हैं, उनके बहुत सारे समाधान आज देश के लोगों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। कई बड़ी समस्याओं का समाधान इन हैकाथॉन ने दिया है। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करने के लिए हमने नई नेशनल एजुकेशन पॉलिसी लागू की है। आप सभी से बात करने के बाद मेरा विश्वास और बढ़ गया है कि देश विकसित भारत बनने के सही ट्रैक पर है। आप जिस तत्परता और ध्येय के साथ, भारत की समस्याओं के नए समाधान ढूंढ रहे हैं, वो अद्भुत हैं।

—— न भूतो न भविष्यति ——

– डॉ.जया शुक्ला

भारत की राज्य सभा की स्थापना के 72 वर्षों के इतिहास में पहली बार उसके चेयरमैन , जो देश के दूसरे सबसे बड़े पद देश के उपराष्ट्रपति भी हैं, और उसी नाते राज्यसभा के पदेन चेयरमैन हैं, पर राज्यसभामें विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव सहित आरोप लगाया है। साथ ही, यह केवल विपक्ष की एक ही पार्टी ने नहीं किया है, अपितु हर एक विपक्षी दल ने इसमें साथ दिया है। नियमानुसार 50 हस्ताक्षरों की आवश्यकता ऐसे प्रस्ताव पर होती है, जबकि कल ही 70 हस्ताक्षर हो चुके थे। इतना गहन विद्रोह विश्व के बहुत गिनेचुने देशों में ही हुआ होगा ! और फिर इसका कारण भी इतना ही बड़ा होगा ! भाजपाने सोरोस को लेकर कॉंग्रेस पर आरोप लगाया था। इसका उत्तर कॉंग्रेस की प्रवक्ता श्रीमती सुप्रिसा श्रीनाथे ने बड़े जोरदार तरीके से सबूतों सहित दिया भी था। उन्होंने बताया था कि जॉर्ज सोरेस का रिश्ता वास्तव में ते भाजपा से ही पुराना और नजदीकी है। श्री अटल बिहारी जी की सरकार के समय जॉर्ज सोरेस के भारत में 1999 में आने के बाद घटनाक्रम प्रारंभ हुआ। तब उसने यहाँ कुछ स्कौलरशिप और फेलोशिप संबंधित फंडिंग प्रारंभ की। 2014 में भारत सरकार के साथ जॉर्ज सोरोस की ओपन सोसाइटी फाउंडेशन का आगे का कार्य ग्रांट प्रोग्राम प्रारंभ हुआ। श्रीमती सुप्रिया श्रीनाथे ने स्पष्ट आरोप लगाया कि भाजपा सोरोस मुद्दा केवल और केवल मोदी-मित्र अडानी पर से ध्यान भटकाने के लिये उठा रही है, वह भी झूठी जानकारियाँ गढ़ कर। उन्होंने कहा कि अडानी को बचाने के लिये यह पलोग राष्ट्रहित को भी दाँव पर लगा सकते हैं। जॉर्ज सोरोस की ओपन सोसाइटी फाउंडेशन के 68 देशों में प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इस फाउंडेशन की फंडिंग वठ डेमोक्रेसी फंडह्व से आती है। इस वठ डेमोक्रेसी फंड में करीब 45 देश डोनर हैं , जिनमें 7 देश प्रमुख हैं, जिनमें भारत भी है, और वह नंबर 4 का डोनर है। प्रश्न तो उठता है कि यदि सोरेस की संस्था भारत के हितों के विरुद्ध कार्य कर रही है अथवा यहाँ की सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है, तो नरेंद्रमोदी सरकार यू एन डेमोक्रेसी फंड को पैसे दे क्यों रही है? उन्हें पिछले 8 वर्षों में इस सरकार ने 900 हजार अमेरिकी डालर दिये। अहम प्रश्न यह भी है कि यदि सोरेस पर लगाये आरोप सत्य हैं, तो जो नरेन्द्रमोदी सरकार यहाँ दस वर्षों से अधिक से शासन कर रही है, क्यों नहीं उसने सोरेस के यहाँ के काम रुकवाए ? सोरेस का फाउन्डेशन यहाँ किसानों, विद्यार्थियों और छोटे व्यापारों की फन्डिंग कर रहा है, और उन्नति भी खूब कर रहा है। साथ ही क्यों नहीं नरेन्द्रमोदी सरकार ने अमेरिका से शिकायत कर उसका यहाँ प्रत्यर्पण करवाया और यहाँ उचित कानूनी कार्रवाई की ? वास्तव में भाजपा के इस संस्था के संचालकों से संबंध मधुर और प्रगाढ़ हैं। सोरेस द्वारा फंडेड एस्फाडा के संस्थापक व संचालक गौरव हिन्दुजा और शशंक ऋष्यश्चयी मोदी के काफी निकट हैं, मंच साझा करते हैं, जी एस टी आदि की बड़ाई भी करते रहे हैं। शशांक का विवाह बंगाल के भूतपूर्व गवर्नर जो भाजपा के कोषाध्यक्ष भी रहे, की पोती से हुआ। सोरेस पर लगाये भाजपाई आरोप केवल अडानी से ध्यान हटा कर उसे बचाने की साज़िश है। बहरहाल, सोरेस से संबंधित सभी सवाल विपक्ष सदन में भाजपा से निश्चित रूप से पूछना चाहता है।

संभवतः इसी भय के कारण श्री धनकड़ ने राज्य सभा में नहीं समझमें आनेवाला अजीबोगरीब व्यवहार किया। भाजपा ने सोरेस मुद्दे को लेकर ऐडजोर्नमेन्ट माँगा था। धनकड़जी ने मना कर दिया। परन्तु इसके बाद नियमविरुद्ध तरीके से, और विपक्ष को पूर्व जानकारी दिये बगैर उन्होंने भाजपा सांसदों से इस विषय पर बुलवाया। पुनः इसके बाद भी 12 बजे से बारबार 12.14 बजे तक भजपा सांसदों के पुकार कर इस विषय पर बुलवाते रहे। विपक्ष का क्रोध लाज़िमी है। अतः कॉंग्रेस की ओर से अविश्वस प्रस्ताव आया, जिसमें सदन के हरएक विरोधी पक्ष के दल ने साथ दिया। पर मामला संख्या का है। संभवतः यह प्रस्ताव राज्यसभा में पास होभी जाये, परन्तु लोकसभ में पास नहीं हो पायेगा, जिस कारण धनकड़ निश्चिन्तबैं। हाँ, यदि जमीर जागृत होता, तो वह निश्चित रूप से इस्तीफा दे देते। परन्तु मेरे मन में एक व्यक्तिगत प्रश्न तो उठ रहा है। श्री धनकड़ देश के उपराष्ट्रपति बन चुकने के बाद भला अब कौन सा उच्चतर पद पायेंगे ? राष्ट्रपति उनक बनना संभव नहीं लगता। आयु रे कारण सकृय राजनीति में भी नहीं आयेंगे। फिर वह लगातार बेहद पक्षपातपूर्ण व्यवहार उस पद पर रह कर, जो पूर्णतः पक्षपातहीन होना चाहिये, क्यों अपना कार्यकाल पूर्ण होने पर इतनी बदनामी छोड़ कर जाना चहते हैं ?

जस्टिस शेखर कुमार यादव के बयान से न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंची है

उन्हें संविधान का रक्षक होना चाहिए जबकि वे संविधान को नुकसान पहुंचा रहे हैं : मौलाना महमूद असद मदनी

नई दिल्ली: 11 दिसंबरः जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, न्यायमूर्ति शेखर यादव के हालिया विवादास्पद बयान की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पद की विश्वसनीयता को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है। यह बहुत दुखद है कि जिन न्यायालयों से न्याय और निष्पक्षता के माध्यम से सभी वर्गों को एकजुट करने की आशा की जाती है, उनका एक सशक्त प्रतिनिधि देश को तोड़ने वाली शक्तियों का सहयोगी बन रहा है। मौलाना मदनी ने कहा कि उन्हें संविधान का प्रतिनिधि होना चाहिए जबकि वे संविधान को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

बता दें कि जस्टिस शेखर यादव ने विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के एक कार्यक्रम में कहा था कि देश बहुमत की इच्छा के अनुसार चलेगा। एक विशेष समुदाय का जिक्र करते हुए न्यायमूर्ति यादव ने सवाल किया कि जब बचपन से ही बच्चों के सामने जानवरों का वध किया जाता है तो वे कैसे दयालु और सहनशील हो सकते हैं? उन्होंने मुसलमानों के एक वर्ग को 'कठमुल्ला' बताते हुये कहा कि उनका अस्तित्व देश के लिए हानिकारक हैं। हालाँकि, जस्टिस यावद जिस समुदाय को संबोधित कर रहे थे, उस समुदाय के प्रबुध्द लोगों के बारे में बात करने के बजाय, वह दूसरे समुदाय पर कटाक्ष कर रहे थे।

मौलाना मदनी ने कहा कि न्यायपालिका के सदस्य होने के नाते जस्टिस यादव को इस बात की पूरी जानकारी होनी चाहिए कि उनके इस तरह के बयान से सांप्रदायिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है। साथ ही, इससे न केवल न्यायपालिका की प्रतिष्ठा कमजोर होती है, बल्कि न्यायपालिका के प्रति लोगों का विश्वास भी कम होता है।

न्यायपालिका एक निष्पक्ष संस्था है और उसका कर्तव्य है कि वह संविधान की सर्वोच्चता को बनाए रखे और सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करे। देश में कई सक्षम और ईमानदार न्यायाधीश हैं, जिनके फैसलों से देश का सम्मान बढ़ता है और देश के नागरिकों को न्याय मिलता है, लेकिन जस्टिस यादव ने अपने बयान से इस पेशे की मयार्दा और इससे जुड़े लोगों के अच्छे नामों पर पानी फेर दिया है। मौलाना मदनी ने कहा कि हम जस्टिस यादव के इस व्यवहार की तत्काल और गंभीरता से जांच की मांग करते हैं। हम मांग करते हैं कि न्यायपालिका की विश्वसनीयता की रक्षा के लिए उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए। हम संसद सदस्यों और भारत के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध करते हैं कि इस मामले की गहन जांच की जाए और उनके खिलाफ हर संभव कार्रवाई की जाए।

दिल्ली ने किया "द रैबिट हाउस" टीम का शानदार स्वागत उनके नेशनवाइड टूर के दौरान

दिल्ली। साल की बहुप्रतीक्षित फिल्म "द रैबिट हाउस" के प्रचार अभियान ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अपनी उपस्थिति दर्ज की। अपनी दमदार कहानी और बेहतरीन कलाकारों के साथ, यह फिल्म पहले ही जबरदस्त चर्चा में है। दिल्ली में हुई प्रचार ने दर्शकों की उम्मीदों को और बढ़ा दिया है। यह फिल्म २० दिसंबर २०२४ को प्रदर्शित होने वाली है। टीम ने दिल्ली प्रेस कांफ्रेंस मे बातचीत के दौरान फिल्म की कहानी और दृष्टिकोण को साझा किया। फिल्म के निमार्ता कृष्णा पंधारे और सुनीता पंधारे, निर्देशक वैभव कुलकर्णी, और मुख्य कलाकार अमित रियान, पद्मनाभ गायकवाड़ और करिश्मा ने बताया कि क्यों "द रैबिट हाउस" केवल एक फिल्म नहीं है, बल्कि एक महत्वपूर्ण विषय पर आधारित संवाद है, जो पूरे भारत के दर्शकों को जोड़ती है। फिल्म मे औरतों को लेकर डोमेस्टिक वॉयलेंस को भी बखूबी से दिखाया गया है। टीम ने ये भी बताया कि "द रैबिट हाउस" एक पैन इंडिया फिल्म है जो विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़ती है। निमार्ता कृष्णा पंधारे ने कहा, यह एक ऐसी कहानी है जो किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। इसकी विषयवस्तु–मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और समाज की अपेक्षाएं–सार्वभौमिक हैं। हमें विश्वास है कि यह फिल्म हर पृष्ठभूमि के दर्शकों को जोड़ पाएगी। निर्देशक वैभव कुलकर्णी ने कहा, "द रैबिट हाउस" एक ऐसा आईना है, जो समाज में अक्सर अनदेखी की जाने वाली समस्याओं को दिखाता है। हमने एक ऐसा सिनेमाई अनुभव बनाने की कोशिश की है, जो केवल मनोरंजन न करे, बल्कि सोचने पर भी मजबूर करे। मुख्य अभिनेता अमित रियान, जो हिंदी और मराठी सिनेमा में अपनी दमदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं, ने अपनी भूमिका के बारे में बात की। वह फिल्म में एक ओसीडी (OCD) से जूझ रहे व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं। उन्होंने कहा, यह किरदार मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण था। इसने मुझे भावनात्मक स्तर पर बहुत गहराई में जाने का अवसर दिया। मुझे विश्वास है कि दर्शक इस संघर्ष और यात्रा से जुड़ पाएंगे। संगीत निर्देशक से अभिनेता बने पद्मनाभ गायकवाड़ ने इस नए अनुभव के बारे में कहा, यह मेरे लिए एक नया और रोमांचक रचनात्मक अवसर था। यह यात्रा मेरे लिए बहुत संतोषजनक रही है। अभिनेत्री करिश्मा ने कहा, यह भूमिका मेरे लिए बहुत विशेष है। मैंने अपनी पूरी मेहनत दी है और आशा है कि यह दर्शकों को प्रभावित करेगी।

सीएसयू ने गीता जयन्ती के साथ भारतीय भाषा उत्सव का भी आयोजन किया गया

दिल्ली ,अजय कुमार मिश्रा, संयोजक मीडिया प्रकोष्ठ तथा पीआरओ ,सीएसयू,

दिल्ली। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी जी ने गीता जयन्ती तथा भारतीय भाषा उत्सव के उपलक्ष्य पर सभी को बधाई दी है और कहा है कि गीता आज भी समग्र दुनिया के लिए प्रेरणास्पद तथा शिक्षाप्रद है जो जीवनदाय अमर ग्रन्थ जीवन के यथार्थ, कुशल प्रबंधन ,न्याय तथा जीवन मूल्य की भावना से सिक्त है। उनका यह भी विचार था कि आज का विश्व मानव समाज विविध प्रकार के मानसिक तथा आणविक तनावों तथा द्वन्दों से ग्रसित है जिसके निराकरण में इस विश्व ग्रन्थ का वैश्विक योगदान होगा । उन्होंने भारतीय भाषा उत्सव के विषय में भी आगे बताया कि भारतीय भाषा उत्सव का लक्ष्य भाषा सीखने को बढ़ावा देने और इसके माध्यम से अपने देश की अक्षुण्ण भाषिक पहचान को समुन्नयन करना भी है ।इससे क्षेत्रीय भाषाओं को राष्ट्र की मुख्य धारा से आबद्ध होने का सशक्त बल मिलेगा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति - २०२० में ही जो सर्वप्रथम भारतीय भाषाओं के संबर्धन के लिए समुचित कदम उठाया गये हैं उसका ऐसे आयोजनों से इस एनईपी के लक्ष्य को बढावा मिलेगा । लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि संस्कृत पढ़ने तथा पढ़ाने वालों का उत्तरदायित्व और अधिक बढ जाता है क्योंकि भारतीय भाषाओं के प्रवाह तथा उत्कर्ष में संस्कृत प्रारम्भ काल से ही केन्द्र में रही है जिसके कारण यह भाषिक विविधता में एकजूटता बनाये रखने की एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण कड़ी है। ध्यातव्य है कि देश में अवस्थित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सभी परिवार आपस में मिल जूल कर इस बार इसके एकलव्य परिसर , अगरतला में मनाया है । इस अवसर को लेकर आगे यह भी बताया कि ऐसे आयोजनों से भारतीय भाषाएं और समृद्ध होंगी तथा साहित्य सांस्कृतिक स्रोत होने के कारण ऐतिहासिक साक्ष्य के रूप में भी उपलब्ध रहेंगे । साथ ही साथ भारतीय क्षेत्रीय भाषाओं को राष्ट्र की मुख्य धारा से आबद्ध होने का प्रबल अवसर भी मिलेगा ।

सीएसयू, दिल्ली के सारस्वत सभागार में यहां के अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने मिल कर बहुत ही धूमधाम के साथ गीता जयन्ती तथा भारतीय भाषा दिवस मनाया । इसमें हिन्दी मैथिली , भोजपुरी , कन्नड़, मराठी , गुजराती , बांग्ला हरियाणवी, ,तमिल, कांगड़ी ,मलयालम , राजस्थानी तथा पंजाबी जैसी अनेक भारतीय भाषाओं में गीता के महात्त्म्य के साथ भारतीय भाषाओं के माध्यम से भारतीय भाषाओं के विषय में अपने अपने विचार रखें गये ।

आईएफएसईसी इंडिया में होगा आधुनिक सुरक्षा तकनीकों का प्रदर्शन

12 से 14 दिसम्बर को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में होगा आयोजन

नई दिल्ली, दिसंबर : प्रदर्शनी आयोजनकर्ता इन्फोर्मा मार्केट्स इन इंडिया ने विश्वस्तरीय सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा उद्योगों को समर्पित आईएफएसईसी इंडिया के 17वें संस्करण की घोषणा की है। क्षेत्र के सबसे बड़े कमर्शियल सिक्योरिटी एक्स्पो के रूप में आईएफएसईसी इंडिया का आयोजन 12 से 14 दिसम्बर को नई दिल्ली के प्रगति मैदान- भारत मंडपम में होगा।

भारत का सुरक्षा उद्योग 12 बिलियन डॉलर का है और सालाना 15-20 फीसदी दर से बढ़ रहा है। ऐसे में यह शो आधुनिक तकनीकों के प्रदर्शन तथा अग्रणी समाधान प्रदाताओं के लिए महत्वपूर्ण मंच की भूमिका निभाएगा। आईएफएसईसी इंडिया में 300 से अधिक सिक्योटी ब्राण्ड्स अपने 5000 से अधिक उत्पादों एवं समाधानों का प्रदर्शन करेंगे। इनमें सीसीटीवी, वीडियो सर्विलान्स, बायोमेट्रिक्स, आरएफआईडी, इंटीग्रेटेड सिस्टम, एक्सेस कंट्रोल, साइबरसिक्योरिटी, जीपीएस सिस्टम, वीडियो मैनेजमेन्ट, यातायात प्रबन्धनतकनीकें शामिल होंगी। आयोजन के दौरान निजी, सार्वजनिक एवं सरकारी क्षेत्रों के दर्शक हिस्सा लेंगे। यह शो सुरक्षा समाधानों में इनोवेशन्स, साझेदारियों और प्रगति का प्रदर्शन करेगा। आईएफएसईसी इंडिया के महत्व पर बात करते हुए योगेश मुद्रास, मैनेजिंग डायरेक्टर, इन्फोर्मा मार्केट्स इन इंडिया ने कहा, ह्यह्यभारत की अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रही है, ऐसे में इसक नागरिकों, बुनियादी सुविधाओं और ओद्यौगिक संपदा की सुरक्षा प्राथमिकता बन चुकी ही।

यमुनानगर में छछरौली की कलसिया रेंज में खैर के पेड़ काटे

प्रतापनगर, दिसंबर : वनरक्षक की शिकायत पर पुलिस ने चोरों के खिलाफ किया मामला दर्ज । मिली जानकारी के अनुसार छछरौली की कलसिया रेंज के अंतर्गत पड़ने वाली बन संतोर बीट में जंगल से खेर के पेड़ काटने की शिकायत पर पुलिस ने आधा दर्जन से ज्यादा लोगों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है। हालांकि वन विभाग की टीम ने चोरी में शामिल खैर तस्करों के ठिकाने पर छापेमारी कर जंगल से चोरी हुई खेर की लकड़ी को बरामद कर लिया है।

पुलिस को दी शिकायत में वनरक्षक मिंटू कुमार ने बताया कि 8 अगस्त को वह जंगल में गश्त पर थे तो उन्हें जंगल से पेड़ काटने की आवाज सुनाई दी। जैसे ही वह जंगल से आ रही आवाज को सुनते हुए उनके नजदीक पहुंचे तो देखा कि आधा दर्जन से ज्यादा लोग पेड़ काटने में लगे हुए हैं। उसने जैसे ही

उनके ऊपर बैटरी की लाइट मारी तो उनके चेहरे सामने दिखे जिनसे उनकी पहचान हो गई और वह मौके से फरार हो गए। जिस जगह पर वह पेड़ काट रहे थे जब वहां पर जाकर देखा तो वह पहले भी पेड़ काटकर ले जा चुके थे और कुछ पेड़ के टहने वहीं पर पड़े हुए थे। वनरक्षक मिंटू कुमार ने बताया कि जो लोग जंगल से रात के अंधेरे में खैर के पेड़ काट रहे थे उनके ठिकाने से जंगल से चोरी की गई लकड़ी को भी बरामद कर लिया गया है। सभी चोरों के खिलाफ थाने में शिकायत दे दी गई है। वनरक्षक ने बताया की जंगल से चोरी हुए पेड़ों को बरामद कर अपने कब्जे में ले लिया गया है।

डॉ. परविंदर सिंह का नाम एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज होना एक बड़ी उपलब्धि है।

नई दिल्ली। डॉ. परविंदर सिंह का नाम एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज होना एक बड़ी उपलब्धि है, जो उन्होंने कुसिनगर के थाई वाट में आयोजित एक सम्मान समारोह में प्राप्त की। इस समारोह में एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधियों ने उन्हें विश्व रिकॉर्ड प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह से नवाजा। इस अवसर पर धर्म प्रमुख सौधर शिरोमणि संत डॉ. सौरभ पांडे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, और एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के राष्ट्रीय निदेशक डॉ. नारायण यादव के समन्वय में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. परविंदर सिंह, जो अमेरिका में निवासरत एनआरआई हैं और पेज थ्री समाचारपत्र के प्रबंध संपादक हैं, का नाम विभिन्न देशों जैसे अमेरिका, भारत, थाईलैंड, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में प्रकाशित समाचारों के लिए जाना जाता है। पेज थ्री ऐसा अनोखा और उदाहरणीय समाचारपत्र है जिसमें विज्ञापन प्रकाशित नहीं होते, जो इसे अन्य समाचारपत्रों से अलग बनाता है। इस कार्यक्रम में फ्रा आचन सोमफोंग, चीफ वाट थाई कुसिनगर, फ्रा आचन की उपस्थिति में सभी ने आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर कई विशिष्ट व्यक्तित्व जैसे सॉन्गक्रान वाट थाई कुसिनगर, शिक्षाविद डॉ. एहसान अहमद, कवि ई. मिन्नत गोरखपुरी, अवधेश कुमार, आनंद कुमार, गुरु बाबा, हर्ष त्रिपाठी, बाल भक्त सौराष्ट्र आदि उपस्थित थे। डॉ. परविंदर सिंह की इस उपलब्धि ने न केवल उन्हें व्यक्तिगत रूप से गौरवान्वित किया है, बल्कि यह दशार्ता है कि समाचारपत्रों की दुनिया में भी नवाचार और नए दृष्टिकोणों के लिए स्थान है। पेज थ्री का विज्ञापन-मुक्त प्रारूप यह सिद्ध करता है कि पत्रकारिता स्वतंत्रता और सत्यता के साथ भी सफल हो सकती है। इस सम्मान ने डॉ. सिंह के योगदान को वैश्विक मंच पर मान्यता दी है और यह समाज के लिए प्रेरणास्रोत के रूप में कार्य करेगा।

अखिल भारत हिन्दू महासभा ने सदस्यता अभियान की शुरूआत की

नई दिल्ली। अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि जी महाराज के नेतृत्व में आज हिन्दू महासभा के सदस्यता अभियान की औपचारिक शुरूआत की गई। इस अभियान के माध्यम से देश-विदेश में रहने वाले हिन्दू महासभा के समर्थकों को संगठन का सदस्य बनने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। इस अभियान को और सरल एवं व्यापक बनाने के लिए एक विशेष ऐप और वेबसाइट ॅ्ङ्क.ल्ल को लॉन्च किया गया है। उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अनुपम मिश्रा ने बताया कि इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से कार्यकर्ता आसानी से सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं। प्रदेश संगठन मंत्री राजकुमार सिंह जी ने विश्वास जताया कि इस तकनीकी पहल के जरिए लाखों कार्यकर्ता महासभा के साथ जुड़ेंगे और संगठन को और मजबूती प्रदान करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह ऐप संगठनात्मक कार्यों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का शुभारंभ पी.के. सिंह के द्वारा किया गया। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष विजय पांडेय जी ने इस अभियान पर विशेष जोर देते हुए इसे संगठन के लिए एक नई दिशा बताया। उत्तर प्रदेश के सभी कार्यकताओं ने इस महत्वपूर्ण पहल का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक बताया। हिन्दू महासभा का यह अभियान राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ाने का प्रयास है, जो देश-विदेश के हिन्दुओं को एक मंच पर लाने का कार्य करेगा।

दिल्ली में भारी वाहन बनते दुर्घटना का कारण

हर दो दिन में सकड़ पर होता है हादसा

दिल्ली। की सड़कों पर भारी वाहन दिखना आम बात है। कहीं ट्रक तो कहीं लोडिंग टैम्पो चलते दिखाई देते है। इन बड़े वाहनों के कारण अन्य लोगों को सड़क पर चलने में काफी दिक्कतों का सामना भी करना पड़ता है। ऐसे बड़े वाहनों के कारण कई बार दुर्घटनाएं भी होती है। इसी कड़ी में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने आंकड़े साझा किए है। इन आंकड़ों के अनुसार इस साल नवंबर तक ट्रक, ट्रेलर और कंटेनर जैसे भारी परिवहन वाहन (एचटीवी) हर दूसरे दिन लगभग एक बड़ी सड़क दुर्घटना का हिस्सा रहे है। आंकड़ों के मुताबिक 157 घातक सड़क दुर्घटनाओं में 163 लोग मारे गए है। आंकड़ों के अनुसार बीते वर्ष यानी 2023 में हर दिन औसतन 16 सड़क दुर्घटनाएं दी गई है। इन हादसों में चार लोगों की मौत हुई थी। बता दें कि 13.27% दुर्घटनाएं एचटीवी के कारण हुई है। ये वो दुर्घटनाएं थी जो 2023 में अज्ञात वाहनों में 46 फीसदी के बाद दूसरे स्थान पर है। पुलिस ने बताया कि 2022 में, 5,652 सड़क दुर्घटनाओं में से 430 दुर्घटनाएँ ळळश के कारण हुईं, जो 8% मौतों के लिए ज़िम्मेदार थीं, साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि यह प्रवृत्ति ऊपर की ओर बढ़ रही है। उसके बाद, टैक्सी और जीपों के कारण सबसे ज्यादा दुर्घटनाएँ हुईं, जो 27% थीं, उसके बाद दोपहिया वाहन थे, जिनकी संख्या 14% थी। पुलिस ने कहा कि उच्च गति वाले वाहनों के कारण होने वाली घातक दुर्घटनाएं आमतौर पर रात 10 बजे से सुबह 2 बजे के बीच होती हैं, जैसा कि पिछले वर्ष हुई 61 घातक घटनाओं से पता चलता है, तथा यह भी तथ्य है कि उच्च गति वाले वाहनों को दिल्ली में केवल रात 11 बजे से सुबह 7 बजे के बीच ही प्रवेश की अनुमति है। सोमवार को सुबह करीब 4.30 बजे, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के महिपालपुर में एक बस से उतरे तीन लोगों को राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर कथित तौर पर तेज रफ़्तार ट्रक ने कुचल दिया, जबकि वे बस के स्टोरेज कम्पार्टमेंट से अपना सामान निकाल रहे थे। हालाँकि दुर्घटना के पीछे का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन पुलिस को यकीन है कि ट्रक तेज रफ़्तार से चल रहा था और अनुमान लगाया जा रहा है कि ड्राइवर ने खड़ी बस को नोटिस नहीं किया होगा।

सदन और समाज की सहमति हो तो एआई के उपयोग पर कानून लाने को तैयार: वैष्णव

दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि अगर सदन और समाज की सहमति होगी तो सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग के संदर्भ में कानून लाने के लिए तैयार है। उन्होंने सदन में कांग्रेस सांसद अदूर प्रकाश के पूरक प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। अदूर प्रकाश ने सवाल किया था कि क्या एआई के उपयोग के विनियमन को लेकर सरकार की कोई कानून बनाने की योजना है? इस के जवाब में वैष्णव ने कहा कि सोशल मीडिया के इस दौर में दुनिया भर का समाज चुनौतियों का सामना कर रहा है तथा फर्जी समाचार और फर्जी विमर्श से जुड़ी चुनौतियां हैं। उनका कहना था कि इसे (कानून को) लेकर व्यापक सहमति की जरूरत है क्योंकि ये मुद्दे ऐसे हैं जिनसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जुड़ी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, इस पर चर्चा की जरूरत है।

चार अफसरों पर गिरी गाज डिप्टी सीएम बृजेश पाठक हुए सख्त

लोकतंत्र की शान संवाददाता

लखनऊ। श्रावस्ती के सीएमओ सस्पेंड अफसरों पर गिरिगाज डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सख्त कार्रवाई करते हुए लगातार मिल रही शिकायतों के चलते श्रावस्ती के सीएमओ को निलंबित कर दिया गया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर कार्रवाई की गई है। वहीं, फतेहपुर में तैनात चिकित्सक को भी निलंबित कर सीएमओ सिद्धार्थनगर के कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। सुलतानपुर के सीएमओ तथा पूर्व अधीक्षक द्वारा अनियमितताओं के आरोपों की जांच कराई जा रही है। पीलीभीत व अमेठी के दो चिकित्साधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए बृजेश पाठक ने सख्त निर्देश जारी उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि श्रावस्ती के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अजय प्रताप सिंह द्वारा अवैध निजी अस्पतालों पर प्रभारी अंकुश न लगा पाने, टेंडरों में अनियमितता किए जाने तथा बायोमेडिकल वेस्ट का उचित निस्तारण न करने व उच्च आदेशों की अव्हेलना किए जाने के आरोपों के चलते उन्हें सस्पेंड करते हुए चिकित्सा स्वास्थ्य महानिदेशालय से संबद्ध किया गया है इस संबंध में शासन द्वारा डीएम व सीडीओ श्रावस्ती को पूरे प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश दिए गए थे। दोनों अधिकारियों द्वारा

शासन को सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई है चिकित्सा के वायरल ऑडियो पर हुए सख्त वहीं, फतेहपुर के जिला महिला चिकित्सालय में तैनात स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पुण्ड्रीक कुमार गुप्ता को निलंबित करते हुए सिद्धार्थ नगर के मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय से संबद्ध किया गया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि चिकित्सक का एक ऑडियो वायरल हुआ था, जिसमें वे सरकार, शासन व प्रशासन के आला अफसरों के विर्ध अभद्र टिप्पणी व अमर्यादित भाषा का प्रयाग कर रहे थे। समय से शासन को इस प्रकरण की जानकारी न देने पर डिप्टी सीएम द्वारा फतेहपुर के सीएमओ का स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। डॉ. गुप्ता द्वारा फतेहपुर के जिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को प्रतिमाह पैसे दिए जाने के आरोप के संबंद्ध में भी उक्त चिकित्सा अधीक्षक से स्पष्टीकरण मांगा गया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि सुलतानपुर के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. ओपी चौधरी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लम्भुआ (सुलतानपुर) के पूर्व अधीक्षक के विरुद्ध विभिन्न अनियमितताओं एवं भष्टाचार की शिकायतों की जांच मंडलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण को दिए गए हैं। वहीं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जमानाबाद (पीलीभीत) में तैनात दन्त शल्यक डॉ. प्रतिष्ठा सिंह एवं गौरीगंज (अमेठी) के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात रेडियोलॉजिस्ट डॉ. संदीप कुमार द्वारा लगातार ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य को विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंगेल में निर्मित 50 शैय्या मैटर्निटी विंग की स्थापना एवं क्रियांवयन के लिए चिकित्सकों के नौ एवं पैरामेडिकल व अन्य श्रेणी के 21 पदों सहित 30 नियमित पदों और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की सेवा आउटसोर्स के आधार पर 12 पद सृजित किए जाने की अनुमति प्रदान की गई है। इस विंग से स्थानीय व आसपास के मरीजों को लाभ मिल सकेगा।

पुलिस ने वर्ल्ड पीस हामोर्नी के अध्यक्ष को संभल जाने से रोका

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। बुधवार को दिल्ली से चल कर नगर के बाईपास मार्ग से संभल जा रहे वर्ल्ड पीस हामेर्नी के अध्यक्ष हाजी शकील को भारी पुलिस बल ने रोक लिया। साथ ही कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए आगे जाने की अनुमति नहीं दी है। बुधवार को दिल्ली की जानी मानी हस्ती एवं वर्ल्ड पीस हामेर्नी संस्था के अध्यक्ष हाजी शकील सैफी गजरौला बाया नगर होते हुए संभल में हूई हिंसा में मारे गए पांच लोगों के परिवार जनों से मिलने एवं मदद करने जा रहे थे। इस दौरान नगर की अब्दुल्लाह कॉलोनी पूर्व प्रधान सद्दाम सैफी एवं लालबाग स्थित बाबा फरीद के आवास पर प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुए बताया कि वह दिल्ली के रहने वाले हैं तथा पूर्व सेंसर बोर्ड सदस्य एवं वर्ल्ड पीस हामेर्नी के वर्तमान अध्यक्ष हैं हाजी शकील सैफी अपने साथियों के साथ संभल हिंसा में मारे गए पांचो लोगों के परिवार की मदद करने हेतु उनसे मिलने जा रहे थे। जहां संभल जनपद की नखासा थाना क्षेत्र की दहपा

पुलिस चौकी पर भारी पुलिस बल ने रोक लिया। वहीं उन्होंने बताया कि पुलिस का कहना है कि संभल जाने की अनुमति नहीं है कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु लाएन ऑर्डर का पालन किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करते हुए मारे गए पांच युवकों के मामले में सीबीआई जांच की जाए तथा प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ से मांग कर कहा कि मारे गए पांचो मृतकों के परिवार जनों को 50-50 लाख रुपए मुआवजा देने एवं एक-एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जानी चाहिए। इस दौरान मौके पर पुर्व प्रधान सद्दाम सैफी, बाबा फरीद, नफीस बेगाना, कामिल सैफी, दिलशाद अहमद, नाहिद सैफी, जाहिद सैफी, नुसरत अली सैफी, खूब सिंह, फुरकान सैफी, बावर खान, मारूफ, डॉक्टर सलाउद्दीन, इश्तियाक अहमद, शाहिद अल्वी, रियासत बंजारा, जाकिर अली आदि सहित समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गरीबों की जमीन कब्जामुक्त कराएं, दबंगों को सबक सिखाएं : मुख्यमंत्री

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं करीब 200 लोगों की समस्याएं, निस्तारण के लिए अफसरों को दिए निर्देश

गोरखपुर, 11 दिसंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि गरीबों की जमीन कब्जामुक्त कराएं और अवैध कब्जा करने वाले दबंगों को करारा कानूनी सबक सिखाएं। उन्होंने कहा कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले भूमाफिया और कमजोरों को उजाड़ने वाले दबंग किसी भी दशा में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का अनुसरण करते हुए कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सरकार का संकल्प है कि किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जमीन कब्जा करने के मामलों में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने

कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके, इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होगी। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सबको न्याय मिलेगा और सबकी पीड़ा दूर की जाएगी। जनता दर्शन में दूसरे जिलों के भी लोग आए थे। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं ने भूमाफिया और दबंगों द्वारा जमीन कब्जा करने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमाफिया को करारा सबक सिखाया जाएगा। उनके रहते कोई भी किसी कमजोर या गरीब को उजाड़ नहीं पाएगा। मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद प्रशासन व पुलिस के अफसरों को निर्देशित किया कि जबरन जमीन कब्जा करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई करें। सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दबंग, माफिया, अपराधी किसी की जमीन पर कब्जा न करने पाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। सीएम ने अफसरों से कहा कि वे हर जरूरतमंद का आयुष्मान कार्ड बनवाएं ताकि इलाज के लिए उन्हें परेशान न होना पड़े। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ आई थीं। मुख्यमंत्री ने उन्हें चॉकलेट गिफ्ट करते हुए स्नेहिल भाव से आशीर्वाद दिया।

राजस्व वृद्धि पर दें ध्यान, नदी के कैचमेंट एरिया में अवैध खनन बर्दाश्त नहीं: मुख्यमंत्री

लखनऊ, 11 दिसंबर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2407.20 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्ति हुई है। इसमें और वृद्धि की अपेक्षा है। इसकी बेहतरी के लिए विभागीय व जनपद स्तर के अधिकारी तेजी से प्रयास करें। राजस्व प्राप्ति के लिए जिलाधिकारी व जिला खनन अधिकारी की जवाबदेही तय की जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सोनभद्र, बांदा, कौशांबी तथा महोबा में खनन के दृष्टिगत राजस्व वृद्धि की असीम संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री जी ने कम राजस्व प्राप्त करने वाले जनपदों की समीक्षा करते हुए इनमें भी राजस्व बढ़ोतरी के उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन, विभाग व जनपद स्तर पर लंबित आवेदन पत्रों पर शीघ्रता से निर्णय लेकर कार्रवाई बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व बढ़ाने के अन्य उपायों पर भी

विचार करें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि नदी के कैचमेंट एरिया में किसी भी प्रकार के अवैध खनन की गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तकनीक का उपयोग करते हुए इसे सख्ती से रोका जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि स्वीकृत खनन क्षेत्र के अंदर खनन कर रहे वाहनों पर व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम (वीटीएस) लगाया जाए, जिससे सुनिश्चित किया जा सके कि खनन स्वीकृत क्षेत्र में ही हो रहा है या नहीं। इससे परिवहनकर्ता को भी सहूलियत होगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अन्य राज्यों से प्रदेश में उपखनिज का परिवहन करने वाले वाहनों की वैधता की जांच के लिए उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान व मध्य प्रदेश से एपीआई इंटीग्रेशन किए गए हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपदों में टास्क फोर्स अवैध खनन को रोकने के लिए समय-समय पर छापेमारी करते रहें। छापेमारी के दौरान विभागीय अधिकारी, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी सुनिश्चित हो। इसकी वीडियोग्राफी भी नियमित कराई जाए।

अधिकारियों पर नहर नक्शे से अलग खुदवाए जाने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। बुधवार को कोतवाली क्षेत्र के गांव बाबनखेड़ी में ग्रामीणों ने अधिकारियों पर नक्शे से अलग नहर खोदने का आरोप लगाते हुए जमकर प्रदर्शन किया, बताते चलें कि नहर के लिए सिंचाई विभाग के अधिकारी नापतोल करके निशान लगाने बुधवार को पहुंचे थे तभी मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने नहर नक्शे के अनुसार खोदे जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया, इस बीच नापतोल करने एवं निशान लगाने पहुंचे अधिकारी वापस चले गए, क्षेत्र के गांव बावनखेड़ी निवासी ग्रामीणों का आरोप है कि सिंचाई विभाग द्वारा गलत तरीके से नहर की खुदाई कराई गई है। जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना

करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में खोदी जा रही नहर नक्शे से अलग है उन्होंने बताया कि जो नक्शे के अनुसार नहर खोदी जानी है उन खेतों में से नहर नहीं खोदी गई है तथा उन क्षेत्र स्वामियों ने मुआवजा भी ले लिया है जबकि हमारे खेतों में से नहर पास नहीं है ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारियों की मिली के भगत के चलते यह सब खेल हो रहा है, वहीं उन्होंने विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान हेतु सिंचाई विभाग द्वारा मामले में संज्ञान लेकर दोबारा नहर खुदाई कराते हुए कार्रवाई की जानी चाहिए। इस दौरान मौके पर साकिब खां, अफसर खां, जैदुल्ला खां, इस्लामुद्दीन, सैफ समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

भारतीय भाषाओं और संस्कृति के माध्यम से बच्चों का भविष्य निर्माण कर रही योगी सरकार

लखनऊ, 11 दिसंबर। योगी आदित्यनाथ सरकार प्रदेश भर के स्कूलों में भारतीय भाषाओं और संस्कृति को संरक्षित करने के साथ-साथ बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत करने में जुटी हुई है। इसी कड़ी में 04 से 11 दिसंबर तक 'भारतीय भाषा उत्सव 2024' का आयोजन किया गया। सप्ताहभर चलने वाला यह आयोजन बच्चों को भारतीय भाषाओं की समृद्ध और सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास रहा। 'भाषाओं के माध्यम से एकता' थीम पर आधारित यह उत्सव न केवल बच्चों को राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया, बल्कि उन्हें मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषाओं के महत्व का गहन एहसास भी कराया। यह थीम भारत की आत्मा और इसकी भाषाई विविधता के प्रतिबिंब के रूप में बच्चों के मनः स्थिति पर साकारात्मक प्रभाव भी डाला है। आयोजन के माध्यम से बच्चों में भाषाई कौशल, सांस्कृतिक जागरूकता और आत्मविश्वास जैसे गुण विकसित करने की पहल की गई। यह प्रयास उन्हें भारतीय भाषाओं की अनूठी धरोहर से जुड़ने और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान करता है। 'भारतीय भाषा उत्सव 2024' का आयोजन बच्चों में भाषाई और सांस्कृतिक समृद्धि के बीज बोने का महत्वपूर्ण कदम है। बतातें चलें कि यह आयोजन राष्ट्रीय

शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत बहुभाषिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। जिसमें मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाने पर बल देने के साथ साथ विद्यार्थियों में भाषाई कौशल विकसित करने और बहुभाषिकता के लाभों को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित था।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों ने उठाया सबसे अधिक लाभ

लखनऊ, 11 दिसंबर। सीएम योगी की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ने आर्थिक रूप से कमजोर तबके, खासकर पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। 2017 में शुरू हुई यह योजना आज न केवल इन वर्गों की बेटियों के लिए वरदान साबित हो रही है, बल्कि सामाजिक समरसता और समावेशिता को भी मजबूत कर रही है। अब तक इस योजना के तहत 4 लाख से अधिक गरीब कन्याओं की शादी योगी सरकार द्वारा पूरे रीति-रिवाज और सम्मान के साथ कराई जा चुकी है।

इस योजना ने उन राजनीतिक दलों को कठघरे में खड़ा कर दिया है, जो लंबे समय तक पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग की राजनीति के सहारे सत्ता का आनंद लेते रहे, लेकिन उनके लिए ठोस विकास कार्य करने में विफल रहे। विपक्ष की राजनीति को आइना दिखाते हुए, इस योजना ने यह साबित कर दिया है कि केवल वादों से नहीं, बल्कि ठोस कदमों से ही समाज का सशक्तिकरण संभव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह कदम न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणा बन चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास और समावेशिता को प्राथमिकता देकर यह साबित कर दिया है कि उनकी सरकार "सबका साथ, सबका विकास" के सिद्धांत पर अडिग है।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए जीवन बदलने वाली है मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के आंकड़े यह स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के लिए यह योजना कितनी प्रभावशाली साबित हुई है। अब तक इस योजना का सबसे अधिक लाभ दलित वर्ग ने उठाया है, जिसमें 2.20 लाख से अधिक गरीब परिवारों की बेटियों की शादी कराई गई है। वहीं, पिछड़े वर्ग के 1.30 लाख परिवार और अल्पसंख्यक वर्ग के 40,000 से अधिक परिवार इस योजना के लाभार्थी बने हैं। वहीं सामान्य वर्ग के करीब 16,000 गरीब परिवारों ने अब तक सामूहिक विवाह योजना का लाभ लिया है। यह योजना न केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की बेटियों की शादी का सपना पूरा कर रही है, बल्कि यह उन्हें सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान कर रही है। विवाह समारोह में हर जोड़े को 51,000 रुपये की मदद दी जाती है, जिसमें विवाह से जुड़ी आवश्यक सामग्री, वधू के खाते में नकद धनराशि और आयोजन की व्यवस्था शामिल होती है।

जब तक मां व मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित न कर लें, तब तक हर व्यक्ति अधूरा: सीएम योगी

बस्ती, 11 दिसंबर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह भूमि भगवान राम के जन्म के हेतु का कारण है। प्रभु श्रीराम ने प्रेरणा दी कि व्यक्ति कितना भी बड़ा और यश-धनधान्य से परिपूर्ण न हो जाए, वह तब तक अधूरा है, जब तक मां और मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित न कर ले। मां की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखते और मातृभूमि के प्रति कर्तव्य निभाते हुए गरीब छात्र भी अच्छी व आधुनिक शिक्षा प्राप्त कर सके, इसके लिए दोनों भाइयों ने मां के नाम पर कर्मा देवी समूह और पिता के नाम पर फॉमेर्सी कॉलेज स्थापित किया। उनका उद्देश्य था कि इसके जरिए हजारों बच्चे कर्मपथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्राप्त करते हुए सम्मान के साथ स्वावलंबन का जीवनयापन करें। एक व्यक्ति का स्वावलंबन समाज व राष्ट्र का स्वावलंबन होता है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को कर्मा देवी समूह के 15वें स्थापना दिवस समारोह में शिरकत की।

सीएम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों व शिक्षकों को सम्मानित किया। सीएम ने ओमनी हॉस्पिटल एवं ट्रॉमा सेंटर का बटन दबाकर शिलान्यास किया। सीएम ने सरोज सिंह व देवमंगल सिंह को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि सरोज सिंह जब मंदिर आती थी, तब कहती थीं कि एक दिन आप मुख्यमंत्री बनेंगे।

मां की साधना के बिना संभव नहीं थी यह सफलता

सीएम योगी ने कहा कि व्यक्ति पर पांच ऋण होते हैं। मां, पिता, गुरु, मातृभूमि व देवगणों

के लिए जो कुछ भी कर पाएंगे, उनकी स्मृतियों व आदर्शों को जीवन में जिस हद तक अंगीकार करने का प्रयास कर पाएंगे, यही उद्धण होने का माध्यम होता है। ओएन सिंह व देवमंगल सिंह का प्रारंभिक जीवन संघर्षों से भरा था। जब पूर्वी उप्र संसाधन के अभाव में जूझ रहा था, सड़क, बिजली, शुद्ध पेयजल, शिक्षण संस्थान, रोजगार के साधन नहीं थे, उन स्थितियों में अपनी शिक्षा को अनवरत बनाए रखना मां की साधना के बिना संभव नहीं था। 1981 में देवमंगल सिंह (अब स्मृतिशेष) आईएफएस बने व 1983 में ओएन सिंह उप्र पब्लिक सर्विस कमीशन की परीक्षा में उत्तीर्ण होकर अधिकारी बने।

गाय के दूध के उत्पादन में भी नंबर वन बनेगा यूपी

लखनऊ, 11 दिसम्बर। गोवंश का गोरक्षपीठ की परंपरा रही है। गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर की गोशाला इसका प्रमाण है। गोवंश की देशी प्रजातियों के लिहाज से ये गोशाला बेहद समृद्ध है। पीठ की परंपरा के अनुसार गोवंश का संरक्षण मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर के रूप में योगी आदित्यनाथ की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निराश्रित गो वंश का संरक्षण, गो पालकों कई तरह की रियायत और देना इसी की कड़ी है। इसी तरह गोवंश निरोग रहें इसलिए उनका नियमित टीकाकरण, नस्ल सुधार, इसके जरिए उनकी उत्पादकता बढ़ाने काम भी योगी सरकार लगातार कर रही है। गोवंश के संरक्षण और संवर्धन का ये सिलसिला जारी रहा तो आने वाले समय में उत्तर प्रदेश गाय के दूध के मामले में भी देश नंबर वन होगा। अभी यह उपलब्धि राजस्थान के नाम पर दर्ज है। उत्तर प्रदेश का स्थान दूसरा है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में दुधारू गायों की संख्या करीब 0.66 करोड़ है। इनसे कुल 5.29 मिलियन टन दूध प्राप्त होता है। प्राप्त दूध में विदेशी नस्ल की गायों का दूध 1.7 मिलियन टन और मिश्रित एवं देशी नस्ल के दूध की मात्रा 4.2 मिलियन टन है। चूंकि देशी नस्ल की गाय का दूध विदेशी नस्ल की गायों से गुणवत्ता में बेहतर होता है। इनका विकास भारतीय जलवायु में हजारों वर्ष के अनुकूलन (कंडीशनिंग) के बाद हुआ है। लिहाजा भारतीय परिस्थितियों में इनको पालना आसान है। यही वजह है कि योगी सरकार का फोकस देशी गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन पर ही है। आने वाले समय में गोरखपुर और भदोही के पशु चिकित्सक महाविद्यालय के बन जाने पर देशी गोवंश के संरक्षण और संवर्द्धन को और बढ़ावा मिलेगा। यहां होने वाले शोध का लाभ उत्तर प्रदेश खासकर पूर्वांचल के दो दर्जन जिलों के पशुपालकों को मिलेगा। इसका लाभ देशी गोवंश की बढ़ी उत्पादकता के रूप में मिलेगा। ऐसे में 16% हिस्सेदारी के साथ दूध के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान रखने वाला उत्तर प्रदेश गायों के दूध के उत्पादन के मामले में भी देश में पहले स्थान पर पहुंच जाएगा। इसी मंशा से मुख्यमंत्री योगी ने पिछले दिनों गोरखपुर में बनने वाले पशु चिकित्सा महाविद्यालय का स्थलीय निरीक्षण कर जरूरी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि गोरखपुर पशु चिकित्सा महाविद्यालय को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया जाय। महाविद्यालय में पशुओं के रखने, चारागाह के लिए हो पर्याप्त रिजर्व लैंड हो। और गौ सरोवर भी बनाएं। गोरखपुर के ताल नदोर में पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी वर्ष 3 मार्च को किया था। 80 एकड़ में क्रमवार तीन चरणों मे बन रहे इस महाविद्यालय के निर्माण पर 350 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आएगी। पहले चरण के निर्माण पर 277 करोड़ 31 लाख रुपये खर्च होंगे। 2026 तक पहले चरण का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा।

हरियाणा

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के दंगल में पहुंचेंगे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र : उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में 12 दिसंबर को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के खेल प्रांगण में खेल विभाग की तरफ से दंगल का आयोजन किया जा रहा हैं। इस दंगल में 4 जोनो के 32 पहलवान पहुंचेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी विजेताओं को सम्मानित करेंगे। इस कार्यक्रम को लेकर खेल विभाग की तरफ से सभी तैयारियां की जा रही हैं। इस कार्यक्रम में हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम भी वशिष्ठ अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। उपायुक्त नेहा सिंह मंगलवार को लघु सचिवालय के सभागार में दंगल कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों की एक बैठक को सम्बोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि खेल विभाग हरियाणा की तरफ से 12 दिसम्बर को दोपहर 1 बजे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के खेल प्रांगण में विजेताओं का हरियाणा कुश्ती दंगल कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि और खेल मंत्री गौरव गौतम वशिष्ठ अतिथि के रूप में विजेताओं को सम्मानित करेंगे।

ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर कला और व्यापार का देखने को मिल रहा है अद्भुत संगम

थानेसर : अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर कला और व्यापार का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा स्टॉल नंबर 620 पर विभिन्न प्रिंट उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है। मंगलवार को इस स्टॉल का उद्घाटन कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मुद्रण एवं प्रकाशन विभाग के प्रबंधक और केडीबी सदस्य एमके मोदगिल ने किया। उद्घाटन समारोह के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी का अपने काम के प्रति समर्पण इनके उज्ज्वल भविष्य की झलक दिखाता है। स्टॉल पर विद्यार्थियों द्वारा ग्राहकों की पसंद के अनुसार कई प्रकार के उत्पादन जैसे मोबाइल कवर, कप, कीचेन, नियोन साइन, टी-शर्ट, फोटो फ्रेम आदि-प्रिंट किए जा रहे हैं। इन उत्पादों की कीमत 70 रुपए से 3 हजार रुपए तक है, जो हर वर्ग के ग्राहकों को आकर्षित कर रही है।

लोक कलाकारों के वाद्य यंत्रों की धुनों ने बदली ब्रह्मसरोवर की फिजा

ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर कहीं जंगम जोगी, कहीं नगाड़ा-बीन और कहीं सारंगी की धुन कानों में घोल रही है रस

कुरुक्षेत्र, दिसंबर : ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर प्रदेश के कोने-कोने से लुप्त होने के कगार पर पंहुचे वाद्य यंत्रों की धुनों को सहजता से सुना जा सकता है। इस बार अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2024 में लोक कलाकारों ने अपने वाद्य यंत्रों की धुनों से ब्रह्मसरोवर की फिजा को बदलने का काम किया है। इस सरोवर के पावन तट पर कहीं जंगम जोगी, कहीं नगाड़ा-बीन और कहीं सारंगी की धुनों को सुनकर पर्यटक मस्ती से झूम रहे है, तो कहीं रंग-बिरंगे, चमकते परिधानों में सजे कलाकारों संग फोटो लेने का क्रेज भी पर्यटकों के सिर चढकर बोल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2024 में जहां प्रदेश के लोक कलाकार पर्यटकों को आनन्दित कर रहे हैं, वहीं इस प्रकार के महोत्सव लुप्त हो रही कलाओं का संगम भी बना है। इन्ही तमाम पहलूओं को लेकर ही सरकार के कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग की तरफ से जंगम जोगी के ग्रुप, डेरू पार्टी के ग्रुप, नगाड़ा पार्टी के ग्रुप, बीन पार्टी के ग्रुप बुलाए गए है। इन सभी ग्रुपों के करीब 250 लोक कलाकार महोत्सव में पंहुचे हैं। ये सभी कलाकार सरोवर के चारों तटों पर घूम-घूम कर पर्यटकों का मनोरंजन करने का काम कर रहे हैं। इसके साथ-साथ

(ऊपर) महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते कलाकार तथा (नीचे) महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते कलाकार।

ब्रह्मसरोवर पर नगाड़ा व बीन की पार्टियां घूम-घूम कर लोगों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित कर रही है। एनजेडसीसी के अधिकारी जरनैल सिंह ने कहा कि इन पार्टियों के कलाकारों ने हरियाणा की लोक कला के परम्परागत वाद्ययंत्रों की धुनों से पूरे ब्रह्मसरोवर की फिजाओं का बदलने का काम किया है। इस महोत्सव में सारंगी पार्टी भी अपनी कला से पर्यटकों को भाव-विभोर कर रही है और अपनी सांरगी से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करने का काम कर रही है। महोत्सव में आने वाले पर्यटकों में प्रस्तुतियों उपरांत कलाकारों के साथ फोटो खिंचवाने की भी एक होड़ से मच जाती है। पर्यटक ब्रह्मसरोवर के मनमोहन दृश्यों की फोटो अपने मोबाईल में कैद करके, उन्हें सोशल साइटस पर उड़ान भरने के लिए छोड़ देते है और फिर सोशल साइटस पर एक क्लिक में महोत्सव पहुंच जाता है विश्व के हर कोने तक। सोशल साइटस पर अपलोड होते ही शुरू होता है लाइक और कमेंट का दौर, जिससे महोत्सव के हर पहलू को मिलती है नई उड़ान और महोत्सव में ना पहुंचने वाले पर्यटक भी गीता महोत्सव से रुबरु हो सकते है।

सूचना जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी ने बनाई विश्व पटल पर अलग छाप : नरेन्द्र

कुरुक्षेत्र : जिला सूचना एंव जनसम्पर्क अधिकारी डा. नरेन्द्र सिंह ने कहा कि ब्रहमसरोवर के पावन तट पर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में जहां पर अलग-अलग प्रदेशों से आए हुए शिल्पकार अपनी हस्त शिल्प कला से महोत्सव में आने वाले पर्यटकों को मंत्र मुग्ध किया हुआ है वहीं सूचना जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी ने इस अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में विश्व पटल पर अपनी एक अलग पहचान बनाई हुई है। डीआईपीआरओ डा. नरेन्द्र सिंह ने कहा कि 5 दिसंबर से 11 दिसंबर तक ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर सूचना जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग द्वारा लगाई गई इस राज्य स्तरीय

प्रदर्शनी में प्रदेश सरकार की तरफ से 18 विभागों द्वारा अलग-अलग स्टॉल लगाए गए है। इन स्टॉलों पर अलग-अलग विभागों द्वारा अपने-अपने विभाग से सम्बन्धित सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों, योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित कर रहे है। उन्होंने बताया कि इस राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में प्रतिदिन हजारों की संख्या में पर्यटक सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों, योजनाओं और उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी में विभागों द्वारा प्रदेश सराकर की जनकल्याणकारी नीतियों व उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है।

देश एवं विदेश के दस करोड़ अग्रवाल समुदाय के लोगों की आस्था का केन्द्र अग्रोहा धाम छू रहा विकास के नए आयाम : राजेश सिंगला

कुल देवी श्री महालक्ष्मी माता के मंदिर निर्माण के उपलक्ष्य में होगा महायज्ञ का आयोजन

करनाल पर्विंदर कौर

देश एवं विदेश के दस करोड़ अग्रवाल समुदाय के लोगों की आस्था का केन्द्र अग्रोहा धाम विकास के नए आयाम छू रहा है। वर्तमान हरियाणा सरकार भी अपना पूरा सहयोग इस काम में दे रही है। इसी कड़ी में हिसार स्थित महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा भी जल्द ही शुरू होने जा रहा है। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा जोकि समुदाय की सबसे बड़ी संस्था है, अग्रोहा शक्तिपीठ नाम से भव्य धाम निर्मित किया जा रहा है। जिसमें 100 करोड़ की लागत से कुल देवी श्री महालक्ष्मी माता का मंदिर निर्माण होने जा रहा है। इसी संदर्भ में अग्रवालो के 18 गोत्रो से सम्बद्ध 18 कुंडीय महायज्ञ 11 से 15 दिसम्बर 2024 तक अग्रोहा शक्तिपीठ में सम्पन्न होने जा रहा है। जानकारी देते हुए अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय सह प्रवक्ता राजेश सिंगला ने बताया कि दक्षिण भारत के प्रकांड विद्वान ब्राह्मण व आचार्य सवा करोड़ मंत्रों की आहूति से महालक्ष्मी का पूजन करेंगे। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग के नेतृत्व में यह यज्ञ मानवता के कल्याण, देश की तरक्की अग्रोहा को तीर्थ स्थल व धाम बनाने के लिए किया जा रह है। सिंगला ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर चल रही है। यज्ञ मंडल तैयार हो चुका है आने वाले हजारों श्रद्धालुओं के लिए खाने-पीने व ठहरने की उचित व्यवस्था की गई है। पूरे देश से महिलाओं ने विशाल कलश यात्रा हिसार से अग्रोहा तक निकाली। वहीं शाम को कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। 12 और 13 दिसंबर को महायज्ञ भजन संध्या व अग्रसेन जी का मंगल पाठ 14 दिसंबर को महालक्ष्मी ?

सम्पत्ति कर शाखा के अधिकारियों को निगमायुक्त की दो टूक, 50 लाख से ऊपर के बकायादारों से जल्द शुरू करें रिकवरी, जमा न कराने पर सम्पत्ति की करें कुर्की।

निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा रिकवरी को लेकर हुई सख्त, लक्ष्य पूरे करने के दिए निर्देश।

करनाल पर्विंदर कौर

करनाल। नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने सम्पत्ति कर शाखा की बैठक लेकर अधिकारियों को दो टूक निर्देश देते कहा कि सम्पत्ति कर की रिकवरी करने का कार्य जल्द से जल्द शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि जो बकायादार सम्पत्ति कर भरने में रूचि न ले, तो उसकी सम्पत्ति की कुर्की करने की कार्रवाई की जाए। बैठक में अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार, क्षेत्रीय कराधान अधिकारी अंकुश पराशर, नायब तहसीलदार राम कुमार तथा कानूनगो सुरेश कुमार मौजूद रहे। टैक्स रिकवरी को लेकर हुए सख्त- उन्होंने बैठक में मौजूद अधिकारियों को सम्पत्ति कर की रिकवरी करने के लिए सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन बकायादारों को नोटिस वितरित किए जा चुके हैं, उनसे रिकवरी करनी शुरू की जाए। बता दें कि शाखा की ओर से

50 लाख रुपये से ऊपर के 132 तथा 20 से 50 लाख रुपये के 68 बकायादारों को सम्पत्ति कर जमा करवाने के नोटिस सौंपे जा चुके हैं। निगमायुक्त ने क्षेत्रीय कराधान अधिकारियों को निर्देश दिए कि 5 से 20 लाख रुपये के बकायादारों की सूची तैयार कर उन्हें भी जल्द से जल्द नोटिस जारी किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को अधिक से अधिक रिकवरी कर सम्पत्ति कर एकत्र करने का लक्ष्य दिया। मच्छली पालन तथा हैफेड कार्यालय ने जमा करवाया टैक्स- निगमायुक्त ने बताया कि सरकारी कार्यालय भी सम्पत्ति कर भरने के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि मच्छली पालन विभाग करनाल ने 20 लाख रुपये तथा हैफेड कार्यालय ने करीब 6 लाख रुपये सम्पत्ति कर नगर निगम कार्यालय में जमा करवाया है। उन्होंने बताया कि अन्य विभाग?

विधायक जगमोहन आनंद ने रामलीला ग्राउंड से विशाल नगर शोभा यात्रा को दिखाई हरी झंडी और गीतामय हो गया करनाल शहर, शोभा यात्रा में शामिल रही सामाजिक, धार्मिक व शैक्षणिक संस्थाओं की मनमोहक झांकियां।

>> गीता जीवन के लिए एक प्रेरणा है, कर्तव्य का कराती है बोध : जगमोहन आनंद

>> गीता जयंती के स्वरूप में आया बदलाव, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाई जा रही गीता जयंती,

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव के तीसरे व अंतिम दिन बुधवार को स्थानीय रामलीला ग्राउंड से करनाल के विधायक जगमोहन आनंद ने विशाल नगर शोभा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व उन्होंने शोभा यात्रा में शामिल आर्य केंद्रीय सभा की तरफ से झांकी में सुशोभित श्रीमद्भगवद्गीता की आरती उतारी तथा यज्ञ में आहुति डाली। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी व एसडीएम करनाल अनुभव मेहता, डीआईपीआरओ मनोज कौशिक, समाजसेवी राजेश अग्गी, रजनीश चोपड़ा सहित विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। नगर शोभा यात्रा में शामिल विभिन्न शिक्षण संस्थाओं व धार्मिक संस्थाओं की झांकियों के साथ-साथ महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से कलश यात्रा आकर्षण का केंद्र रही। इस मौके पर गीता के प्रथम, मध्य और अंतिम श्लोकों का उच्चारण भी किया गया। इस वर्ष वैश्विक गीता पाठ का नाम ह्यएक मिनट-एक साथ गीता पाठ रखा गया है। इस मौके पर करनाल के विधायक जगमोहन आनंद ने मीडिया से बातचीत करते हुए करनाल विधानसभा, प्रदेश व देश की जनता को गीता जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के प्रयास से देश के साथ-साथ विदेशों में भी गीता का प्रचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि गीता ज्ञान का जीवन के लिए एक प्रेरणा है और हमें अपने कर्तव्य का बोध कराती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री

गीता जयंती महोत्सव के दौरान जिला के हजारों बच्चों ने श्लोकोच्चारण कर माहौल को बनाया गीतामय।

करनाल बीटू संधू

करनाल। जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव के दौरान डॉ. मंगलसेन परिसर में 11 दिसंबर बुधवार को दोपहर 12 बजे जिला के विभिन्न स्कूलों के करीब 400 बच्चों सहित हिंदी व संस्कृत के अध्यापकों ने श्लोकोच्चारण कर माहौल को गीतामय बना दिया और कुरुक्षेत्र से लाईव प्रसारित श्लोकोच्चारण को विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने सुना और साथ में उच्चारण किया। कार्यक्रम में इन्द्री के विधायक रामकुमार कश्यप, असंध के विधायक योगेंद्र राणा, एसडीएम घरौंडा राजेश सोनी, शिक्षा विभाग से ज्योत्सना मिश्रा, राजेन्द्र सिरसी सहित काफी संख्या में सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं

के लोग मौजूद रहे। श्लोकोच्चारण के बाद इन्द्री के विधायक रामकुमार कश्यप, असंध के विधायक योगेंद्र राणा ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उनको बधाई दी। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में आम जनता को जागरूक करें और उनको पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने का काम करें। उन्होंने स्वयं सहायता समूह के उत्पादों की प्रशंसा की और कहा कि अपने कारोबार को और बढ़ाएं जिससे वे आत्मनिर्भर बन।

समाधान शिविर की शिकायतों का निपटारा

करनाल पर्विंदर कौर

हरियाणा। सरकार के निदेर्शानुसार जिला में लघु सचिवालय सहित सभी उपमंडल कार्यालयों में हर कार्यदिवस में समाधान शिविरों का आयोजन सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज लघु सचिवालय के सभागार में उपायुक्त उत्तम सिंह की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। ऐसे ही शिविर संबंधित एसडीएम की अध्यक्षता में नीलोखेड़ी, इन्द्री, असंध और घरौंडा में भी आयोजित किए गए। उपायुक्त ने बताया कि करनाल के लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में तीन शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें से एक शिकायत का निपटारा कर दिया गया और दो शिकायतें लंबित हैं। इसी प्रकार नीलोखेड़ी उपमंडल में तीन शिकायतें प्राप्त हुई जिनका समाधान कर

दिया गया। इंद्री उपमंडल में एक शिकायत प्राप्त हुई जो लंबित है। घरौंडा उपमंडल में छह शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें से पांच शिकायतों का समाधान कर दिया गया। उपमंडल असंध में एक शिकायत प्राप्त हुई जिसका समाधान कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इन समाधान शिविरों में परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आईडी, जमीन की रजिस्ट्री, शहरी निकाय विभाग से एनडीसी लेने, नक्शे की मंजूरी, पेंशन, राशन कार्ड एवं सार्वजनिक वितरण व्यवस्था, अपराध, बिजली-पानी संबंधी आदि शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया जा रहा है।

प्रॉपर्टी आईडी व स्वामित्व संबंधी शिकायतों का निपटारा

जिला में प्रॉपर्टी आईडी व स्वामित्व से संबंधित समस्याओं के निवारण के लिए नगर निगम, नगर पालिका व बीडीपीओ कार्यालयों में भी समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं। करनाल नगर निगम में निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने शिकायतों को सुना। उन्होंने बताया कि आज करनाल नगर निगम कार्यालय में दस शिकायतें आई, जिनमें से चार शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया।

सीजेएम ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

करनाल बीटू संधू

करनाल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष चंद्रशेखर के मार्गदर्शन में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव इरम हसन ने बुधवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी कैदियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनका मार्गदर्शन किया। इसके अलावा उन्होंने जिला कारागार में स्थापित कानूनी सहायता केंद्र में प्रदान की जाने वाली मुफ्त कानूनी सेवाओं की भी जानकारी दी।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 दिसम्बर को : इरम हसन

करनाल पर्विंदर कौर

करनाल। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव इरम हसन ने बताया कि जिला न्यायालय करनाल में 14 दिसंबर 2024 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नेशनल लोक अदालत में कोई भी व्यक्ति अदालत में लम्बित मुकदमे रखकर उनका फैसला करवा सकता है। इसके अलावा प्री लिटिगेशन स्टेज के मुकदमों के लिए स्थाई लोक अदालत, करनाल में 13 दिसंबर 2024 को लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्री लिटिगेशन स्टेज के मुकदमे रखकर उनका निपटारा किया जा सकता है। इसके अलावा यातायात संबंधित चालानों का भुगतान करने के लिए 10 दिसंबर से 13 दिसंबर तक जिला न्यायालय की अदालतों मे प्री

लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस बारे में अधिक जानकारी के लिए हैल्पलाइन नं. 0184-2266138 व नालसा हैल्पलाइन नं. 15100 पर संपर्क कर सकते हैं।

पूरे प्रदेश में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया हमारा शौचालय-हमारा सम्मान अभियान- निदेशक जय कृष्ण अभीर

प्रदेश के 100 प्रतिशत हो शौचालय का इस्तेमाल, खुले में कोई शौच न जाए

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। ग्रामीण विकास, हरियाणा के निदेशक जय कृष्ण अभीर ने कहा कि 19 नवंबर को विश्व शौचालय दिवस के मौके पर शुरू किया गया हमारा शौचालय-हमारा सम्मान अभियान सफलता पूर्वक पूरे प्रदेश में आयोजित किया गया। इस अभियान में आमजन ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता और सुरक्षित स्वच्छ शौचालयों तक पहुंच के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। पंचायतों में बड़े स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि हरियाणा में शौचालय के उपयोग और स्वच्छता स्थिरता के महत्व को सुदृढ करने के लिए ग्रामीण विकास विभाग (आर०डी०डी०) के नेतृत्व में सभी जिलों में व्यापक प्रयासों के साथ अभियान चलाया गया। कुल 135 जिला स्तरीय सूचना, शिक्षा

एवं संचार व व्यवहार परिवर्तन सुधार कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें 14,748 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जबकि 612 पंचायत-स्तरीय कार्यक्रमों में 37,910 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन गतिविधियों ने समुदायों को एकजुट किया और सार्वजनिक स्वास्थ्य और सम्मान के लिए स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया।

घरेलू शौचालय मंजूरी पत्र किए गए वितरित

निदेशक जय कृष्ण अभीर ने कहा कि सभी जिलों में पंचायत स्तर पर लाभार्थियों को 1599 व्यक्तिगत घरेलू शौचालय मंजूरी पत्र वितरित किए गए, जिससे पात्र परिवार शौचालय बनाने में सक्षम हो सके। 679 स्वच्छता कार्यकताओं / सफाई कर्मचारियों को उनमें योगदान के लिए सम्मानित किया गया। शौचालय के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए राज्य जिला और ग्राम पंचायत स्तरीय व्यवहार परिवर्तन अभियान शुरू किए गए, जिसमें 38,000 से अधिक लोग शामिल हुए। इन अभियानों का उद्देश्य खुले में शौच।

विभिन्न धार्मिक, समाजसेवी संस्थाओं ने संविधान चौक पर किया दीपदान

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। महोत्सव के अंतर्गत अंतिम दिन देर सायं असंध रोड़ दो नहरों के बीच स्वर्गपुरी शमसान घाट द्वारा गीता महोत्सव के अवसर पर स्थानीय संविधान चौक पर दीपदान किया गया। जीओ गीता के चेयरमैन सूरज दुरेजा व दशहरा कमेटी के प्रधान रमेश माटा व अनिल मदान सहित अन्य समाजसेवी संस्थाओं दीप दान किया। अनिल मदान ने बताया कि हम सभी को गीता जी के श्लोकों का अनुसरण करते हुए हमें मानवता की भलाई के काम करने चाहिए। इस तरह के कार्यक्रम सकारात्मक सोच के साथ आगे बढे की प्रेरणा देते हैं। गीता मानव के सम्पूर्ण जीवन का एक अलोकिक दर्शन देती है। गीता का ज्ञान हमें आज के आधुनिक जीवन में सभी समस्याओं का हल देने की क्षमता रखता है। इसके साथ-साथ सींक गांव व चुलकाना धाम में भी दीपदान किया गया।

बुलेरो की टक्कर से वृद्ध की मौत, छात्रा सहित दो घायल

पुलिस फरार वाहन चालक को ढूंढने के लिए कर रही पूछताछ

■ महोबा

कानपुर सागर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शहर के पीडब्ल्यू तिराहे के समीप मंगलवार की सुबह सैर पर निकले दो वृद्धजनों को तेज रफ्तार बुलेरो ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनो वृद्ध गंभीर रुप से घायल हो गए। बुलेरे चालक इतने भी नहीं रुका और कुछ दूरी पर रोड किनारे जा रही एक छात्रा को टक्कर मारकर घायल करते हुए मौके से वाहन सहित फरार हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर डाक्टरों न स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए एक वृद्ध को मृत घोषित कर दिया तथा दूसरे वृद्ध की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कालेज झांसी के लिए रेफर कर दिया, जबकि छात्रा को जिला अस्पताल में भर्ती कर उसका उपचार किया जा रहा है।

बताया जाता है कि बैजनाथ यादव (65) और दुर्गादीन (60) शहर के डाकबंगला के समीप मॉर्निंग वॉक करते हुए जा रहे और जैसे ही हाईवे पर पहुंचे तो पीछे बुलेरो वाहन चालक ने दोनो वृद्धों को कुचल दिया। दुर्घटना के बाद चालक का संतुलन बिगड़ गया और तेज स्पीड में वाहन को लेकर जाने लगा तभी कुछ दूरी पर रोड किनारे जा रही बीस वर्षीय छात्रा शिल्पी को भी टक्कर मारकर मौके से भाग गया। दुर्घटना देख आसपास के लोग और राहगीर घटना स्थल पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर डाक्टरों ने बैजनाथ यादव को मृत घोषित कर दिया, जबकि दुर्गादीन की हालत नाजुक होने पर मेडिकल कालेज झांसी के लिए रेफर कर दिया।

दुर्घटना में घायल छात्रा शिल्पी का जिला अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। डाक्टरों का कहना है कि उसकी हालत स्थित बनी हुई है। पुलिस ने वृद्ध के शव का पंचनामा भरते हुए वाहन चालक की तलाश में जुट गए हैं। उधर वृद्ध की मौत के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल बना हुआ है। सीओ सिटी दीपक दुबे ने बताया कि दुर्घटना की जांच की जा रही और जल्द ही वाहन और उसके चालक को हिरासत में ले लिया जाएगा। बताया कि घटना स्थल के आसपास लगे सीसी टीवी कैमरों की फुटेज को देखा जा रहा है साथ ही लोगों से भी जानकारी की जा रही।

कीर्तिदेव ने पोलो चैम्पियनशिप में बुंदेलखंड का नाम किया रोशन

■ महोबा

पूर्व सांसद के पुत्र ने खेल के साथ साथ पढ़ने में भी होशियार

जूनियर नेशनल इंडियन पोलो एसोसिएशन के तत्वावधान में पोलो चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का आयोजन जयपुर पोलो ग्रांउड मे आयोजित किया गया था। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में पूर्व सांसद के पुत्र कीर्तीदेव चंदेल ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर अपनी टीम को विजयी बनाया। बुंदेलखंड के युवा पोलो खिलाड़ी के बेहतरीन पोलो खेल से जहां पूर्व सांसद के परिजन गदगद है वहीं बुंदेलखड के लोग भी खुश नजर आए।

पोलो एक जोखिम भरा रोमांचक खेल है, जिसमें घोड़े व घुड़सवार के बीच में सामंजस्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसमें घोड़े को 60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ाया जाता है। कीर्तीदेव ने इस पोलो खेल में समय समय पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ साथ घुड़सवारी की अन्य विधाओं जैसे इक्विस्ट्रियन ड्रेसा? व टेन्ट पेगिंग में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की है और अपने क्षेत्र व कालेज का सम्मान बढाया। पूर्व सांसद अशोक सिंह चंदेल के पुत्र ने जोधपुर पोलो में सबसे कम आयु के एमवीपी (मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर) का खिताब जीता।

भारतीय सेना की 61 कैवलरी द्वारा आयोजित चिंकारा प्रतियोगिता में कई गोल्ड मेडल जीते। कीर्तीदेव चंदेल भारतीय पोलो सर्किट के उभरते हुए सितारे हैं, इसके अतिरिक्त वह बाक्सिंग व फुटबाल के नेशनल प्लेयर हैं। खेल के साथ वे एक मेधावी छात्र भी हैं जिन्होंने 12 वीं में 98.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर बैच टाप कर बुंदेलखंड के साथ साथ कालेज का भी नाम रोशन किया है। कीर्तीदेव चंदेल का मानना है कि बुन्देलखण्ड वीरों की रही है और इस वीरभूमि का घोड़ों व घुड़सवारी से पुराना नाता है और कला का उपयोग करते हुए वह इस परम्परा को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर सरकार गंभीर-जगदगुरू

■ चित्रकूट

पद्मविभूषित जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर सरकार गंभीर है। विदेश सचिव को बांग्लादेश भेजा गया है।

विदेश सचिव ने वहां पहुंचकर इस विषय पर वार्ता शुरू कर दी है और जल्द ही सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। प्रयागराज में आयोजित होने जा रहे महाकुंभ 2025 को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस बार कुंभ के आयोजन के लिए बेहतरीन व्यवस्थाएं की जा रही हैं। कुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को हर प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

लाइट, पानी और यातायात की व्यवस्था को विशेष रूप से सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा, यह कुंभ इतना खास होगा कि हर कोई इसे लंबे समय तक याद रखेगा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी पर दिए गए अपने विवादित बयान को लेकर जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने स्पष्ट किया कि उनका बयान पूरी तरह सही है। उन्होंने कहा कि जिस समय प्रियंका गांधी सांसद बनी, उस समय केरल में कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा गाय की हत्या की गई थी। उन्होंने कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वीडियो पुराना या मणिपुर का नहीं था। बल्कि पूरी घटना उसी समय की थी।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में महिला की मौत

चित्रकूट। भरतकूप थाना क्षेत्र में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे मे 19 वर्षीय महिला की जान चली गई। बांदा जिले के पचनेही निवासी केतकी (19) अपने पति भंवर सिंह के साथ शादी समारोह में जा रही थीं। भरतकूप मंदिर के पास तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल केतकी को तुरंत शिवरामपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों में शोक का माहौल है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसी दिन चकला गांव के पास एक अन्य सड़क हादसा हुआ। ई-रिक्शा और कार की भिड़ंत में पहाड़ी निवासी सुंदरलाल, कर्वी के संतोष, और अहिरनपुरवा के बंशी घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चकला और भरतकूप क्षेत्र में लगातार हो रही दुर्घटनाओं ने सड़क सुरक्षा उपायों की कमी को उजागर किया है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से तेज रफ्तार वाहनों पर रोक लगाने और सड़क पर ब्रेकर लगाने की मांग की है।

सांप के डंसने से किसान की मौत

चित्रकूट। खेत में सिंचाई करते समय किसान की सांप के डसने से मौत हो गई। गांव से कुछ दूरी पर स्थित अपने खेत में सिंचाई कर रहा था इसी दौरान उसे सांप ने डस लिया। भरतकूप थाना क्षेत्र के बैहार गांव में सोमवार देर रात 45 वर्षीय किसान रामबाबू पुत्र बाबादीन को अचानक उन्हें जहरीले सांप ने डस लिया। सर्पदंश के बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन तत्काल उन्हें शिवरामपुर के भांगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया मंगलवार को पूरी की गई। परिजनों ने बताया कि रामबाबू परिवार का पालन-पोषण कृषि कार्यों से करते थे।

तहसीलदार के सत्यापन से असंतुष्ट रहे दोनों भाई,डीएम ने लगाई फटकार

चित्रकूट। तहसीलदार द्वारा किए गए सत्यापन से (आईजीआरएस) असंतुष्ट ओम प्रकाश, कामता (दोनो भाई) पुत्र बद्री प्रसाद पटेल पुरवा तरौहा के निस्तारण को लेकर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने मौके पर जाकर गाटा संख्या 588 का क्रॉस सत्यापन किये एवं लेखपाल को निर्देशित किया कि फोर्स के साथ पैमाईश कराकर अलग कराए। उन्होंने कहां की नायब तहसीलदार मौके पर रहकर स्थाई समाधान कराए अब किसी प्रकार की समस्या नहीं आनी चाहिए।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मोहम्मद जसीम, कानूनगो सुधीर कुमार सिंह, लेखपाल अशोक कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में कलाकारो ने बांधा समां

चित्रकूट। तेरी यादों का शोर मंच के संस्थापक आरनव चिराग द्वारा आयोजित किया गया। 8 दिसंबर को द सेंट्रल जेल रेस्टोरेंटो में ओपन माइक शो जिसमें जिले के तमाम नए कलाकारों ने किया शायरी, ग़ज़ल, संगीत, रैप, कॉमेडी इत्यादि कलाओं का प्रदर्शन जहाँ मुख्य अतिथि बुंदेली सिंगर जीतू यादव, सूरज यादव, बृजेश तिवारी महोबा, शिवानी वर्मा, सौरभ सागर तथा अंजलि व आदि शामिल रहे तथा मंच का संचालन संदीप चंदेल महोबा, दीपक जोशी झाँसी द्वारा किया गया। सर्वश्रेष्ठ कलाकारों में शायरी मोनिश, सिंगिंग में प्रतीक, रैप में क्रिसको को आरनव चिराग और सभी अथिति द्वारा गिफ्ट, मैडल, सर्टिफिकेट प्रदान किए गए, इस कार्यक्रम में द सेंट्रल जेल रेस्टोरेंटों व फैज क्रिएशन ने अपने वर्क द्वारा स्पॉन्सरशिप दी, इस अवसर पर उद्यांशु अवस्थी, बसंत जी व अन्य लोग मौजूद रहे, कार्यक्रम के आयोजक आरनव चिराग ने बताया की यहाँ तक के सफलता के सफर में उनकी टीम अमन शुभम पुष्पेंद्र व सत्यप्रकाश भाई शामिल है।

कानपुर से सोमनाथ ट्रेन चलाने को हरिशंकर ने लिखा रेलवे बोर्ड अध्यक्ष को पत्र

चित्रकूट। राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के जिला मंत्री हरिशंकर गुप्ता ने रेल मंत्री, रेलवे बोर्ड अध्यक्ष राज्यसभा सांसद हमीरपुर बाबूराम निशा को पत्र के माध्यम से अवगत कराया है की कानपुर से सोमनाथ एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन कराया जाए।बताया कि कानपुर, हमीरपुर, भरूवा सुमेरपुर रोटी राम बाबा धार्मिक क्षेत्र से बांदा प्रभु श्री राम की तपोभूमि चित्रकूट धाम से होकर सतना ,मैहर देवी ,कटनी , जबलपुर पिपरिया, (महाभारत के समय में पांडव के अज्ञात वास पचमढ़ी हिल स्टेशन भी जुड़ेगा) इटारसी से होकर सोमनाथ तक ज्योतिर्लिंग के लिए एक नई सौगात मिलेगी और धार्मिक क्षेत्र से धार्मिक क्षेत्र का विकास होगा और रेल राजस्व बनेगा आम जनमानस एवं बुंदेलखंड क्षेत्र वासियों को लाभ होगा।

तीन वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायालय में किए गए पेश

बांदा। जसपुरा थाना पुलिस ने विभिन्न अभियागों में वांछित तीन वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। इनमें फूल सिंह पुत्र गम्भीरा सिंह निवासी ग्राम गडरिया, शिवकुमार पुत्र शिवराम केवट निवासी जुजुहा डेरा मजरा कैथी थाना भरुआ, शिवप्रसाद पुत्र सुखनन्दन केवट निवासी जुजुहा डेरा मजरा कैथी थाना भरुआ जनपद हमीरपुर शामिल हैं। पुलिस इन वारंटियों की तलाश कर रही थी।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग सदस्य का आगमन आज

चित्रकूट। जिला प्रोबेशन अधिकारी पंकज कुमार मिश्रा ने बताया कि सदस्य उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग अर्चना पटेल 11 दिसंबर को पूर्वान्ह 11 बजे से महिला उत्पीड़न की घटनाओं की समीक्षा महिला जनसुनवाई, कलेक्ट्रेट सभागार में किया जाएगा। उन्होंने समस्त संबंधित अधिकारियों से 11 दिसंबर को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक की जायेगी।

संस्कृत पद गायन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

चित्रकूट। श्रीराम संस्कृत महाविद्यालय द्वारा अध्ययनरत संस्कृत गुरुकुल के विद्यार्थियों के के मध्य कनिष्ठ एवं वरिष्ठ ऐसे दो वर्गों में संस्कृत पद गायन प्रतियोगिता का आयोजन सदगुरु सभागार में किया।

प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग महात्मा गाँधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय डॉ. कमलेश थापक एवं सदगुरु पब्लिक स्कूल के संस्कृत शिक्षक राधाकान्त त्रिवेदी रहे। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विभिन्न कक्षाओं के 25 विद्यार्थियों ने प्रतिस्पर्धा में भाग लिया जिसमें कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान विकास पयासी एवं जयसूर्या दुबे ने संयुक्त प्रथम स्थान प्राप्त किया, द्वितीय स्थान अनुज पाण्डेय एवं तृतीय स्थान श्रीधर गौतम ने प्राप्त किया द्य वही वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान सूरज शुक्ल, द्वितीय स्थान भरतदेव मिश्र एवं तृतीय स्थान शिवनरेश शुक्ल ने प्राप्त किया। कार्यक्रमों का संयोजन प्राचार्य डॉ. तुषारकान्त शास्त्री एवं सुरेन्द्र कुमार तिवारी के कुशल निर्देशन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का संचालन देवभाषा संस्कृत में आचार्य पंकज कुमार पाण्डेय द्वारा किया।

इस अवसर पर गुरुकुल आचार्य डॉ. प्रेमप्रकाश पाण्डेय, शशिशेखर शुक्ल, देवदत्त शुक्ल, बालगोविन्द उपाध्याय, ओमप्रकाश तिवारी, सानन्त कुमार गर्ग, वागीशदत्त त्रिवेदी, हरिओम द्विवेदी, धर्मेन्द्र कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे।

वृद्धा ने फांसी के फंदे पर झूल की आत्महत्या

■ महोबा

थाना अजनर के ग्राम मगरिया ने एक वृद्धा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे ने नीचे उताकर पंचनामा भर आत्महत्या के कारण का पता लगाने के लिए पूछताछ शुरू कर दी है। मौत के बाद से मृतका के घर पर गमगीन माहौल बना हुआ है और ग्रामीणों का मृतका के परिजनों को सांत्वना देने के लिए आना जाना लगा हुआ है।

ग्राम मगरिया निवासी कौशल्या (60) पत्नी मूलचंद्र ने सोमवार की देर शाम कमरे की छत पर लगे कुंदे पर रस्सी डालकर फांसी पर झूल गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। काफी देर तक मृतका के कमरे से बाहर न आने पर उसका पुत्र वहां पहुंचा और मां को फांसी पर झूलता देख शोर शराबा मचाने लगा, जिससे अन्य परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई और मृतका के शव को नीचे उतारकर पंचनामा भर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि महिला घरेलू कामकाज के चलते काफी परेशान रहती थी और उसके पुत्र माखन और हरनारायन नशे के आदी थे साथ ही उसकी बहू मीरा और रानी ससुराल में कम मायके में ज्यादा रहती थी।

गरीबों को कंबलों का वितरण

बांदा। शासन की योजनाओं के तहत ठंड से गरीबों को बचाने के लिए कंबलों का वितरण किया गया।ग्राम प्रधान रमाकांती शुक्ला की अध्यक्षतामें मंगलवार को गरीब, असहाय, दिव्यांग, वृद्ध और बेवा महिलाओं को कंबलों का वितरण किया गया। एक सैकड़ा गरीबों को कंबल मिला तो उनके चेहरे पर मुस्कराहट नजर आई। इस दौरान सहकार भारती के प्रदेश कार्य समिति सदस्य शिवचरण शुक्ल, सदर तहसील ग्राम पंचायत जमालपुर के लेखपाल राकेश गुप्ता ने गरीबों को घर-घर जाकर कंबलों का वितरण किया।

तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का समापन

चित्रकूट। युवा कल्याण विभाग की तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग प्रतियोगिता का समापन अध्यक्ष सहकारी बैंक चेयरमैन पंकज अग्रवाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, जिला बचत अधिकारी बी एल साहू ने किया। उन्होने 100 मीटर के प्रतिभागियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

डीसीबी चेयरमैन पंकज अग्रवाल ने बच्चों को खेल भावना से प्रतिभाग करने को प्रोत्साहित किया। बच्चों को आगे जाने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़ में गंगा देवी ने प्रथम स्थान, 1500 मीटर में जया देवी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सपना ने ऊंची कूद, गोला व डिस्कस में बाजी मारी। लंबी कूद में गंगा का प्रथम आया। बैडमिंटन में वसुंधरा ने गार्गी को हराया। वॉलीबॉल, व कबड्डी में कर्वी ने पहाड़ी को हराया। बालकों में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़ में रविकांत, 400 मीटर में अनुराग पाल, डिस्कस गोला में किशन प्रथम आए। गोला में अभिषेक यादव, लंबी कूद व ऊंची कूद में रोहित, 1500 मीटर करण कुमार ने जलवा दिखाया। कबड्डी और वॉलीबॉल में कर्वी विजेता रही। भारोत्तोलन में सिमरन, गार्गी, आशुतोष, संदीप कुमार ने अपने अपने भार वर्ग में प्रथम प्राप्त किया। बच्चों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर अवधेश सिंह, अमृत लाल, श्रीकेशन, श्याम सुंदर यादव, विनोद सिंह, चंद्रभान देवशरण, अनिल, शैलेन्द्र सिंह, संजय यादव, विद्याभूषण पांडे, उमा शुक्ला, शुभम श्रीवास्तव, छेदीलाल, आनंद सिंह, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी पहाड़ी उदयभान अखण्ड प्रताप, अंगद सिंह, सिद्धार्थ निगम मौजूद रहे।

डीएम ने ली जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

चित्रकूट। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में पूर्व बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन आख्या पर भी चर्चा हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया कि ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस का आयोजन को अच्छा करे तथा सबसे पिछड़े उपकेंद्रों का प्लान बनाकर पर्यवेक्षण कराए, कहा कि सिजेरियन प्रसव को रेफर न करें सभी प्रसव जनपद में ही कराए। जिला चिकित्सालय व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजो एव गर्भवती की सभी जांच कराये, कार्य न करने वाली आशाओं के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही की जाए। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को पोषण दिया जाए तथा फ्री अल्ट्रासाउंड व नियमित जांच की व्यवस्था की जाए।

गीता जयंती पर विशेष

श्रीभागवत गीता : मनुष्य को आत्मसंतोष करना चाहिए तभी वास्तविक सुख की होती प्राप्ति

■ महोबा

श्रीमद् भागवत गीता भारतीय संस्कृति की आत्मा है, इसमें अठारह अध्याय व 700 श्लोक हैं। भगवान कृष्ण ने कुरूक्षेत्र में अर्जुन को गीता ज्ञान दिया था, जिससे अर्जुन अन्याय के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तैयार हुए थे। श्रीकृष्ण ने लगभग 45 मिनट में 700 श्लोक बोले और यही श्लोक गीता है। आज का मनुष्य भी माया मोह तथा लोभ लालच की चकाचौंध में इस कदर डूब गया है कि उसे सत्य की अनुभूमि नहीं होती है। उक्त बात 11 दिसम्बर को होने वाली गीता जयंती से पूर्व एक वार्ता में वीरभूमि राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय के पूर्व प्रवक्ता डा0 एलसी अनुरागी ने कही।

उन्होंने बताया कि गीता के अध्याय 16 के श्लोक संख्या 4 में बताए गए छह अवगुण दम्भ, दर्प अभिमान क्रोध कठोरता तथा अज्ञान के जाल में फसा रहता है कि जो पुरूष शास्त्र विधि को त्यागकर अपनी मनमानी करता है, मनमाने आचरण दिखाता है वह न तो सिद्धि को प्राप्त करता और न ही सुख और परमगति प्राप्त करता है। उन्होंने श्लोक सुनाते हुए कहा कि (यः शास्त्रविधि मुत्सृज्य वर्तते कामकारतः। न स सिद्धि मवाजोति न सुखं न परां गतिम।) भगवान कृष्ण अर्जुन को सुखी जीवन का मंत्र बताते हुए कहते हैं कि जो किसी से द्वेष नहीं करता लेकिन सभी जीवों का दयायु मित्र है जो अपने को स्वामी नहीं मानता ओर मिथ्या अहंकार से मुक्त है जो सुख दुख में समभाव रहता है सहिष्णु है। सदैव आत्मसंतुष्ट रहता है, आत्मा संयमी है तथा जो निश्चित के साथ मन तथा बुद्धि को स्थिर करके भक्ति में लगा रहता है ऐसे भक्त मुझे प्रिय है। गीता के 12, 13 14 में महाभारत में बारह दोष बताते जो काम क्रोध लोभ मोह असंतोष, निर्दयता असूया अभिमान शोक स्मृहा, ईर्ष्या और निंदा है जिसे त्याग देना चाहिए। तभी उसे वास्तविक शुभ शांति मिलेगी, लेकिन क्रोध लोभ और काम को नहीं छोड पा रहा है।

पूर्व वक्ता डा0 अनुरागी ने बताया कि भागवान कृष्ण गीता के सालहवे अध्याय के श्लोक संख्या 21 में काम क्रोध लोभ को नरक का द्वार बताते हुए कहते हैं कि (त्रिविधं नरकस्ययेंदं दारं नाशनमात्मनः। कामः क्राधस्तथा लोभस्तस्मादेतत्त्रयं त्यजेत।) काम वासना मनुष्य का प्रबल शत्रु है। श्रीमद् भागवत महापुरण में वर्णित राजा ययाति ने अपने पुत्र की जवान लेक एक हजार वर्ष तक विषय भाग किया, लेकिन तृष्णा नहीं मिटी, बल्कि दुख बढ़ता ही गया।

बताया कि गोस्वामी तुलसी दास ने भी रामचरित मानस के सुंदरकांड में काम क्रोध लोभ को नरक का द्वार बताया है। (काम क्रोध मद लोभ सब नाथ नरक के पंथ सब परिहरि रघुवीरहिं, भजहु भजहिं जोहि संत) गीत के अनुसार वास्तविक सुख शांति आत्म संतोष में है। श्रीकृष्ण भगवान अर्जुन को समझाते हुए कहते है कि जिसकी आत्मा में रति है, जो आत्मा में हो तृप्त है तथा आत्मा में ही संतुष्ट है उसके लिए किसी कर्तव्य पालन की आवश्यकता नहीं है। श्लोक (यस्त्वात्मरतिरेव स्यादात्मतृप्तश्च मानवः। आत्मन्येव च संतुष्टस्तस्य कार्यं न विद्यते) गीता के चौथे अध्याय के श्लोक संख्या 22 व 23 कहा गया कि मनुष्य को आत्मसंतोष करना चाहिए तभी वास्तविक सुख शांति मिलती है। पूर्व वक्ता ने बताया कि कबीर भी आत्मसंतोष अपनाने के लिए कहते हैं गोधन गजधन बाजि धन और रतन धन खान, जब आवै संतोष धन सब धन धूरि समान। उन्होंने गीता जयंती पर हमे भगवान कृष्ण की शरण में रहकर मानव सेवा का व्रत लेना चाहिए।

भागवत कथा समापन पर भंडारे में लोगों ने ग्रहण किया प्रसाद

महोबा। ग्राम पंचायत खन्ना में सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा के अंतिम दिन श्रीकृष्ण और सुदाम चरित्र की कथा का वर्णन किया गया और भंडारे के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कथा सुनने और भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने वालों की खासी भीड़ उमड़ी, जिन्होंने कथा का रसपान करने के बाद प्रसाद का स्वाद चखा। वहीं रात्रि जागरण कार्यक्रम में भगवान शिव पार्वती की झांसी भी सजाई गई जो आकर्षण का केंद्र रही।कस्बा खन्ना निवासी विजयबहादुर सिंह के आवास में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के आखिरी दिन बनारस के कथा व्यास आचार्य रजनीश कृष्ण महाराज ने श्रीकृष्ण सुदाम चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि कथाव्यास ने सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि मित्रता करो तो भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा जैसी करो। सच्चा मित्र वही है जो अपने मित्र की परेशानी को समझे और बिना बताए ही मदद कर दे। कहा कि आज के युग में स्वार्थ की मित्रता रह गई है, जब तक स्वार्थ सिद्ध नहीं होता है, तब तक मित्रता रहती है और कार्य पूरा होने के बाद स्वार्थ खत्म हो जाता है। कथा के समापन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें कस्बे के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया और जागरण कार्यक्रम में भगवान शिव पार्वती की झांकियों को देखा।

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है किसी विज्ञापन पर किसी भी प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में अपनी पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता या विज्ञापनदाता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापन दाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है कि कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले विज्ञापन के बारे में पूर्ण जांच पड़ताल कर लें तब आगे बढ़े। समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के बारे में किसी पाठक के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

उपद्रवियों की पहचान कर लगातार गिरफ्तारी की जा रही

संभल हिंसा मामले में तेज हुई पुलिस की कार्रवाई, सैकड़ों मकानों में लटके ताले, कई गलियों में पसरा सन्नाटा

- पुलिस का सर्च अभियान तेज, सैकड़ों मकानों में लटके हैं ताले
- उपद्रवियों की धरपकड़ के लिए रणनीति तैयार

एजेंसी, संभल

जामा मस्जिद इलाके में हुए उपद्रव के बाद पुलिस ने कानून-व्यवस्था को बहाल करने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। उपद्रवियों की पहचान कर लगातार गिरफ्तारी की जा रही है। संवेदनशील इलाकों में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। वहीं जामा मस्जिद इलाके में सैकड़ों मकानों में ताले लटके पड़े हैं। पुलिस अब उन मकानों को चिन्हित कर कार्रवाई करने की तैयारी में लगी है। 24 नवंबर को जामा मस्जिद में एडवोकेट कमिश्नर के सर्वे के दौरान हिंसा भड़की थी। इसमें उपद्रवियों में पुलिस पर पथराव करने के साथ फायरिंग और आगजनी जैसे घटनाओं को अंजाम दिया था। उसी दिन जब जामा मस्जिद इलाके में हिंसा शांत हुई तो उसके कुछ समय बाद ही नखासा थाना क्षेत्र के नखासा चौराहे से लेकर हिंदुपुरा खेड़ा तक उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव किया था। इसमें महिलाएं भी शामिल थीं। हालांकि इस बात को 16 दिन बीत चुके हैं। शहर में अब हालात भी सामान्य हो चुके हैं, लेकिन पुलिस का पहिया अब घूम रहा है।

उपद्रवियों की गई पहचान

सीसीटीवी फुटेज और अन्य फोटो और वीडियो के माध्यम से उपद्रवियों की पहचान की जा चुकी है। लगातार दबिश देकर उनकी गिरफ्तारियां भी की जा रही हैं। अब पुलिस ने सर्च आपरेशन तेज कर दिया है। संवेदनशील क्षेत्रों की हर गली और हर कोने को खंगाला जा रहा है। उपद्रवियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उधर, जामा मस्जिद इलाके में सैकड़ों मकानों में ताले लटके पड़े हैं। हालात सामान्य होने के बावजूद भी लोग अपने घरों को नहीं लौट सके हैं। पुलिस का कहना है कि ये मकान उन लोगों के हो सकते हैं, जो उपद्रव में शामिल थे या पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए भाग गए हैं। पुलिस अब इन मकानों को चिह्नित करने की तैयारी कर रही है। मकान मालिकों की जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं जामा मस्जिद इलाके में पुलिस के साथ आरआरएफ के जवानों की तैनाती है। 24 घंटे संवेदनशील इलाकों में गश्त लगातार जारी है। सीसीटीवी कैमरों की मदद से हर आने जाने पर नजर रखी जा रही है। खुफिया पुलिस भी सक्रिय है।

दीपा सराय और तीमरदास सराय में पुलिस ने चलाया था सर्च अभियान

सोमवार की शाम पुलिस ने नखासा थाना क्षेत्र के मुहल्ला दीपा सराय और तीमरदास सराय में सर्च अभियान चलाया था। एसपी कृष्ण कुमार ने हिंसा में शामिल उपद्रवियों की गिरफ्तारी के लिए दीपा सराय के 13 मकानों में छापेमारी की। जिसमें से 10 लोगों को हिरासत में लिया गया। उनके पास 93 स्मैक की पुड़िया, दो तमंचे और कारतूस भी बरामद हुए। पुलिस अब आरोपितों से पूछताछ कर रही है। साथ उनका पिछला आपराधिक रिकार्ड खंगाल रही है।

मल्लिकार्जुन का बुढ़ापा किसने खराब कर दिया

कांग्रेस पटरी पर नहीं आई तो बाकी विपक्ष उसे प्लेटफॉर्म पर छोड़ देगा।

इंडिया गेट से

अजय सेतिया की कलम से

मित्रों, मैं यह नहीं कहता कि जगदीप धनखड़ निष्पक्ष हैं। उनसे ज्यादा निष्पक्ष तो वेंकैया नायडू थे, जो जन्मजात भाजपाई थे। जगदीप धनखड़ तो घाट-घाट का पानी पी कर आए हैं। वह तो कांग्रेसी भी रहे हैं। उनका कोई दीन ईमान नहीं है। लेकिन, उन्हें उपराष्ट्रपति पद तक मोदी ने पहुंचाया है तो वह मोदी की बीन बजा रहे हैं। हमीद अंसारी को सोनिया ने बनाया था तो वह मोदी सरकार के मंत्रियों की नाक में दम किए रहते थे। सभापति थोड़ा बहुत तो सरकार का बचाव करेगा ही। विपक्ष को इतना तो सहना ही पड़ता है। लेकिन, हरियाणा, महाराष्ट्र में हार के बाद कांग्रेस इतनी फ्रस्टेशन में आ गई है कि उसे विपक्ष की भूमिका बर्दाश्त नहीं हो रही। मल्लिकार्जुन खड़गे बार-बार अपने 54 साल के अनुभव का बखान जरूर करते हैं। लेकिन, उस अनुभव का फायदा नहीं उठाते। वरना पप्पू को समझाते कि जो मिला है, उस पर सब्र करो, तुमने तो कांग्रेस को विपक्ष का नेता बनाने लायक नहीं छोड़ा था। मल्लिकार्जुन खड़गे भुगतभोगी हैं, जब सोनिया गांधी ने 2014 में उन्हें लोकसभा में कांग्रेस का नेता बना दिया था। लेकिन, वह विपक्ष का नेता नहीं बन सके थे, क्योंकि कांग्रेस की सीटें सिर्फ 45 थी। मल्लिकार्जुन खड़गे के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष का नेता बनने लायक हुए हैं। कांग्रेस की 99 सीटें कोई राहुल के बूते नहीं आई। उसके पीछे संविधान और आरक्षण के झूठे प्रचार के अलावा स्टालिन, अखिलेश यादव, शरद पवार, उद्धव ठाकरे जैसों की भूमिका है। मल्लिकार्जुन खड़गे को राहुल गांधी को समझाना चाहिए था कि देश की जनता ने अडाणी का मुद्दा ठुकरा दिया है। जनता ने जो भूमिका दी है, उसे कबूल करो और दूसरों को भी करने दो। राहुल गांधी न तो अखिलेश को विपक्ष की भूमिका निभाने दे रहे हैं, न ममता बनर्जी को, न ही शरद पवार को और न ही उद्धव ठाकरे को। इसलिए अडाणी के मुद्दे पर ये चारों नेता किनारे हो गए हैं। यहां तक कि राहुल गांधी अपने अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भी काम नहीं करने देते। सारी पार्टी को अडाणी के मुद्दे पर लगा दिया है। जिस कारण उनका राज्यसभा में आए दिन जगदीप धनखड़ से टकराव होता है। खड़गे अपने अनुभव के आधार पर धनखड़ के साथ काम चलाऊ संबंध बना सकते थे। लेकिन, राहुल गांधी ने उनका बुढ़ापा खराब कर दिया। आए दिन उनकी धनखड़ से चख-चख होती है। पिछली लोकसभा में राहुल गांधी ने स्पीकर के साथ भयंकर टकराव किया। बात उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव तक आ गई थी। मोदी ने जिद्द करके 18वीं लोकसभा में भी ओम बिरला को स्पीकर बनवा दिया। ओम बिरला के खिलाफ मोर्चा खोल कर आपको क्या फायदा हुआ, बल्कि उन्हीं का फायदा हो गया। अब आप जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर उनका भी फायदा कर रहे हैं। उनको उपराष्ट्रपति की दूसरी टर्म मिल जाएगी। लेकिन, राहुल गांधी ने ऐसा एतिहासिक काम कर दिया है, जो 72 साल में कभी नहीं हुआ था। लोकसभा की तरह राज्यसभा का सभापति राज्यसभा खुद नहीं चुनती। वह उपराष्ट्रपति के नाते सभापति होते हैं। राज्यसभा प्रस्ताव पास करके भी उन्हें नहीं हटा सकती। उपराष्ट्रपति को दोनों सदनों के सदस्य चुनते हैं। फिर भी आप ने मल्लिकार्जुन खड़गे से सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करवा दिया। आप का तो राज्यसभा में भी बहुमत नहीं है। लोकसभा तो बहुत दूर की बात। 18वीं लोकसभा की शुरुआत में ही, जिस तरह राहुल गांधी ने टकराव का रास्ता अख्तियार किया है। उससे न इंडी गठबंधन का कोई नेता खुश है, न सभी दलों के नए सांसद खुश हैं। इसलिए इंडी गठबंधन में ही राहुल गांधी का विरोध शुरू हो चुका है। राहुल के नेतृत्व का विरोध करने वालों में अब लालू यादव भी जुड़ गए हैं। सब चाहते हैं कि ममता बनर्जी को गठबंधन का नेता बनाकर राहुल गांधी से कमान छीनी जाए। तृणमूल के नेता यह कहकर राहुल गांधी को उनकी हैसियत बता रहे हैं कि कांग्रेस का स्ट्राईक रेट 10 प्रतिशत है, जबकि तृणमूल कांग्रेस का स्ट्राईक रेट 70 प्रतिशत है। हालांकि, वह बात सिर्फ बंगाल की कर रहे हैं। लेकिन, अगर गठबंधन के नेताओं में सहमति बन गई और ममता बनर्जी नेता बन गई तो राहुल गांधी संसद को इस तरह हाईजेक नहीं कर पाएंगे, जिस तरह अब अपने व्यक्तिगत एजेंडे पर संसद को हाईजेक कर रहे हैं। विपक्ष ने अडाणी के मुद्दे पर राहुल के प्रदर्शन का बायकॉट करके उन्हें संदेश दे दिया है कि उनका व्यक्तिगत एजेंडा नहीं चलेगा। राहुल गांधी की समस्या यह है कि वह कांग्रेस की मध्यमार्ग की विचारधारा छोड़ चुके हैं। वह वामपंथियों के प्रभाव में आ गए है, जो सिर्फ प्रदर्शन, घेराव, चक्का जाम की राजनीति करते हैं। वे सारी उम्र भारत के उद्योगपतियों के खिलाफ जहर उगलते रहे, जिस कारण भारत आर्थिक तौर पर पिछड़ गया। भारत का विकास तब शुरू हुआ, जब मनमोहन सिंह ने उदारीकरण की शुरुआत की। भारत के उद्योगपति फिर चाहे वह अंबानी हो या अडाणी, या बिड़ला या बजाज, सबने अपने काम में विस्तार किया। बाहर से भी भरपूर निवेश हुआ। मोदी राज में उसे और गति मिली। लेकिन, राहुल गांधी भारत के उद्योगपति पर निशाना साध कर पटरी पर आई गाड़ी को रिवर्स गियर में चलाना चाहते हैं। ममता बनर्जी टाटा नैनो का कारखाना उठवा कर नतीजा भुगत चुकी है। राहुल गांधी पांच साल तक राफेल-राफेल करते रहे। अब पिछले पांच साल से अडाणी-अडाणी कर रहे हैं। जबकि, दोनों ही मुद्दे विदेशी हितों से जुड़े हैं। भाजपा ने जॉर्ज सोरोस के साथ सोनिया और राहुल के रिश्तों का सवाल उठा कर कांग्रेस को पहली बार ऐसा घेरा है कि उसे बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा। इसलिए ममता और अखिलेश विपक्ष को महंगाई, बेरोजगारी और संभल जैसे स्थानीय मुद्दों पर लाना चाहते हैं। अगर कांग्रेस विपक्ष की पटरी पर नहीं आई तो बाकी विपक्ष कांग्रेस को प्लेटफॉर्म पर छोड़ आगे बढ़ जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

अफीम की 45 एकड़ अवैध खेती नष्ट की गई

मणिपुर । मणिपुर के उखरूल जिले के फुंग्यार में 45 एकड़ क्षेत्र में की गई अफीम की अवैध खेती को नष्ट कर दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उखरूल पुलिस, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), वन विभाग और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने मंगलवार को मापीथेल पर्वतीय क्षेत्र में अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि अफीम की अवैध खेती में कथित संलिप्तता के आरोप में मौके से लेत्खोहाओ हाओकिप (37) और हेगौ खोंगसाई (30) को गिरफ्तार किया गया है।

सड़क किनारे बने ढाबे में घुसी कार, तीन घायल

उदयपुर । गुजरात के छोटा उदयपुर जिले के बोडेली कस्बे में एक तेज रफ्तार एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) सड़क किनारे बने एक ढाबे में जा घुसी जिससे वहां खाना खा रहे तीन लोग मामूली रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि एसयूवी चालक कुछ सेकंड के लिए बेहोश हो गया और इसके कारण यह दुर्घटना हुई। बोडेली के पुलिस निरीक्षक डी एस वढेर ने बताया कि दुर्घटना सोमवार रात करीब 10:35 बजे हुई।

बीजापुर में नक्सलियों ने की ग्रामीण की हत्या

बीजापुर । छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में नक्सलियों ने एक ग्रामीण की हत्या कर दी। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के फरसेगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत सोमनपल्ली गांव में नक्सलियों ने कुड़ियाम माडो (35) की गला घोट कर हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात नक्सलियों का दल सोमनल्ली गांव पहुंचा और उन्होंने कुड़ियाम माडो को घर से बाहर निकाला। बाद में नक्सलियों ने माडो की गला घोटकर हत्या कर दी।

सीरिया पर 53 वर्षों से असद परिवार का शासन खत्म हो गया

सीरिया से भारत ने अपने 75 नागरिकों को बाहर निकाला, लेबनान के रास्ते पहुंचेंगे वतन

- भारत ने मंगलवार को सीरिया से 75 भारतीय नागरिकों को निकाला
- दमिश्क में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह दी गई

एजेंसी, नई दिल्ली

सीरिया में इन दिनों हालात काफी चिंताजनक हैं। विद्रोही बलों ने राष्ट्रपति बशर असद की सत्ता को उखाड़ फेंका और इसके दो दिन के बाद ही भारत ने मंगलवार को सीरिया से 75 भारतीय नागरिकों को निकाला है। ये भारतीय लेबनान होते हुए भारत पहुंचेंगे। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि सुरक्षा स्थिति के आकलन के बाद दमिश्क और बेरूत में भारतीय दूतावासों द्वारा समन्वित निकासी को प्रभावी बनाया गया। देर रात एक बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार ने सीरिया में हालिया घटनाक्रम के बाद आज 75 भारतीय नागरिकों को सीरिया से निकाला। सभी भारतीय नागरिक सुरक्षित रूप से लेबनान पहुंच गए हैं और उपलब्ध वाणिज्यिक उड़ानों से भारत लौट आएंगे। दमिश्क और बेरूत में भारतीय दूतावासों द्वारा समन्वित निकासी, सुरक्षा स्थिति के हमारे आकलन और सीरिया में भारतीय नागरिकों के अनुरोध के बाद प्रभावी की गई थी।

सरकार स्थिति पर नजर रखना जारी रखेगी

विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार विदेशों में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। आगे बयान में कहा कि सीरिया में बचे भारतीय नागरिकों को दमिश्क में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह दी गई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रखना जारी रखेगी।

भारत की इच्छा को उजागर किया

'सभी पक्ष शांतिपूर्ण तरीके से मतभेद सुलझाएं'

- बातचीत के जरिए हर मुद्दे का समाधान करने का आह्वान किया
- सुरक्षा पर भारत की चिंताओं से उसे अवगत कराया

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका ने भारत और बांग्लादेश से अपने मतभेदों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने की अपील की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने मंगलवार को दोनों देशों को आपसी बातचीत के जरिए हर मुद्दे का समाधान करने का आह्वान किया। भारत के विदेश सचिव की हाल में हुई बांग्लादेश की यात्रा पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में मिलर ने कहा कि हम चाहते हैं कि सभी पक्ष अपने मतभेदों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाएं। इससे पहले विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सोमवार को बांग्लादेश की यात्रा की थी और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर भारत की चिंताओं से उसे अवगत कराया था। मिसरी ने अपनी यात्रा के अंत में ढाका में कहा, 'मैंने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ मिलकर काम करने की भारत की इच्छा को उजागर किया। साथ ही हमें हाल के कुछ घटनाक्रम और मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर भी मिला और मैंने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और कल्याण से संबंधित चिंताओं से उन्हें अवगत कराया।'

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की जयंती पर प्रधानमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की आज जयंती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को उनकी जयंती पर याद करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पुरानी तस्वीर शेयर की। पीएम मोदी ने तस्वीर के साथ कैप्शन भी लिखा। पीएम मोदी ने कहा, प्रणब मुखर्जी की जयंती पर उन्हें याद किया जा रहा है। प्रणब बाबू एक अद्वितीय सार्वजनिक व्यक्तित्व थे। वह एक महान राजनेता, एक अद्भुत प्रशासक और ज्ञान के भंडार थे। भारत के विकास में उनके योगदान अविस्मरणीय हैं। उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में आम सहमति बनाने की अद्वितीय क्षमता प्राप्त थी और यह उनके शासन में व्यापक अनुभव तथा भारत की संस्कृति और लोकाचार की गहरी समझ के कारण संभव हो सका।

श्रद्धांजलि

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूस के मॉस्को में अज्ञात सैनिक की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए और शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए।

पूर्व रक्षा मंत्री ने की खुदकुशी की कोशिश

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ऑफिस में पुलिस का छापा

एजेंसी, सियोल

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक योल के कार्यालय पर बुधवार को पुलिस ने देश में मार्शल लॉ लागू करने की जांच के तहत छापा मारा। वहीं, दूसरी ओर दक्षिण कोरिया के पूर्व रक्षा मंत्री किम ने हिरासत केंद्र में आत्महत्या का प्रयास करने के लिए अंडरवियर का इस्तेमाल किया ह। इसकी जानकारी अधिकारी के हवाले से सामने आई है। कोरियन टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, सियोल मेट्रोपॉलिटन पुलिस और नेशनल असेंबली पुलिस गार्ड्स के कार्यालयों पर भी छापे मारे गए है। जानकारी के मुताबिक, दक्षिण कोरियाई पुलिस ने उनके दफ्तर पर छापेमारी की है। इससे पहले, 9 दिसंबर को दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल के देश छोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। देश के न्याय मंत्रालय के मुताबिक, राष्ट्रपति यून को मार्शल लॉ घोषित करने के लिए उनके खिलाफ शुरू की गई जांच के कारण किसी भी विदेश यात्रा या देश छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। दक्षिण कोरिया के पूर्व रक्षा मंत्री किम योंग ह्यून को पिछले सप्ताह मार्शल लॉ लागू करने में राष्ट्रपति यून सुक येओल और अन्य के साथ मिलीभगत करने के आरोप में बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। प्राधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या उनके कृत्य विद्रोह के समान हैं। देश में 40 से अधिक वर्षों में पहली बार लगाया गया मार्शल लॉ केवल छह घंटे लागू रहा, लेकिन इसकी वजह से बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। यून और उनके साथियों के खिलाफ महाभियोग लाने की कोशिश एवं आपराधिक जांच जारी है। दक्षिण कोरिया के न्याय मंत्रालय ने सोमवार को येओल की विदेश यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया था, क्योंकि अधिकारी पिछले सप्ताह उनके द्वारा की गई अल्पकालिक मार्शल लॉ की घोषणा के संबंध में विद्रोह और अन्य आरोपों की जांच कर रहे हैं। सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने कहा कि उसने विद्रोह और सत्ता के दुरुपयोग के आरोप में पूर्व रक्षा मंत्री किम योंग ह्यून के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट को मंजूरी दे दी है।

1981 के तहत मामला दर्ज कराया

बांग्लादेशी नावों पर सवार 78 मछुआरे पकड़े गए

एजेंसी, कोलकाता

भारतीय जलक्षेत्र में अनधिकृत रूप से मछली पकड़ने के आरोप में दो बांग्लादेशी नावों के साथ 78 मछुआरों को गिरफ्त में लिया गया है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि मछली पकड़ने वाली ट्रॉलर के साथ पकड़े गए मछुआरों पर भारतीय तटरक्षक बल ने भारतीय समुद्री क्षेत्र अधिनियम, 1981 के तहत मामला दर्ज कराया है। रक्षा मंत्रालय के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विंग कमांडर हिमांशु तिवारी ने बताया कि भारतीय तटरक्षक बल का जहाज ₹अमोघ₹ अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमपीएल) के साथ गश्त कर रहा था। भारतीय समुद्री क्षेत्र में संदेहजनक गतिविधि देखने के बाद जांच की गई। पता चला कि दो बांग्लादेशी मछली पकड़ने वाली ट्रॉलर भारतीय जलक्षेत्र में मछलियां पकड़ने घुसी हैं। इन जहाजों की पहचान 'एफवी लीला-2' और 'एफवी मेघना-5' के रूप में हुई। दोनों बांग्लादेश में पंजीकृत थे और इनमें क्रमशः 41 और 37 चालक दल सदस्य थे। 78 मछुआरों को पकड़ने के बाद इन पर भारतीय समुद्री क्षेत्र अधिनियम, 1981 के तहत मामला दर्ज किया गया। दोनों जहाजों को आगे की जांच के लिए ओडिशा के पारादीप लाया गया। विंग कमांडर हिमांशु तिवारी ने बताया कि तटरक्षक बल का यह अभियान भारतीय तटरक्षक बल के समुद्री सुरक्षा को बनाए रखने, सतर्कता और समुद्र में अवैध गतिविधियों और अनधिकृत घुसपैठ को रोकने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया के प्रयासों को दिखाता है।

संपादकीय

मुफ्त रेवड़ी पर फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सरकारों की ओर से मुफ्त में दी जा रही सुविधाओं पर फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया है कि मुफ्त की रेवड़ियां कब तक बांटी जाएंगी? जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने कहा कि मुफ्त राशन बांटने की जगह मजदूरों के जिए रोजगार मुहैया कराया जाता तो अच्छा होता। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने केंद्र सरकार की इस बात पर हैरानी जताई कि करीब 81 करोड़ लोगों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मुफ्त या सब्सिडी वाला राशन दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद भी क्या सरकारें मुफ्त सुविधाएं देना बंद कर देंगी? मुफ्त की रेवड़ी बांटने का सिलसिला 50 के दशक में तब के तत्कालीन मद्रास राज्य (तमिलनाडु) के मुख्यमंत्री के कामराज ने राज्य भर के स्कूलों में 1956 में मिड डे मील यानी मध्याह्न भोजन योजना शुरू की थी। इसके बाद से देश में नकदी, सोने के सिक्के, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, घरेलू चीजें मुफ्त में देने का चलन शुरू हुआ। जाहिर है, इसके पीछे वोट हासिल करने की रणनीति थी, जो कामयाब रही है। दिल्ली में आप सरकार मुफ्त बिजली और पानी मुहैया करा रही है। केंद्र सरकार 81 करोड़ लोगों को पांच किलो मुफ्त अनाज दे रही है। मुफ्त अनाज कोरोना काल में इसलिए देना शुरू किया गया था, जिससे वे लोग भूखे न रहें, जो दिहाड़ी मजदूर थे और उनका काम छिन गया था। लेकिन केंद्र सरकार को इसमें फायद हुआ और पूरा एक लाभार्थी वर्ग खड़ा हो गया, जो सत्ता पक्ष को वोट देने लगा। इससे उत्साहित होकर कहीं लाड़ली बहना तो कहीं इसी तरह की दूसरी योजनाओं के माध्यम से लोगों के खातों में पैसा जाने लगा। महाराष्ट्र और झारखंड में इसी तरह की योजनाओं का बड़ा हाथ, जिनमें महिलाओं के खाते में सीधे पैसे भेज गए थे। मुफ्त सेवाओं से भले ही कुछ लोगों को फायदा होता हो, लेकिन दूसरे तरीकों से पैसा जेब से निकाल भी लिया जाता है। जैसे-अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल सस्ता होने के बाद भी पेट्रोल डीजल सस्ता नहीं किया गया। गैस सिलेंडर पर से सब्सिडी खत्म कर दी गई। रेल में सीनियर सिटीजन के मिलने वाली छूट खत्म कर दी गई। चुनाव से पहले सार्वजनिक धन से अतार्किक मुफ्त सुविधाओं का वादा मतदाताओं को अनुचित रूप से प्रभावित करता है, समान अवसर को परेशान करता है और चुनाव प्रक्रिया की शुद्धता को खराब करता है। यह एक अनैतिक आचरण है जो मतदाताओं को रिश्वत देने के समान है।

मुफ्त अनाज कोरोना काल में इसलिए देना शुरू किया गया था, जिससे गरीब भूखे न रहें। लेकिन केंद्र सरकार ने इसे वोट लेने का जरिया बना लिया।

पाठकवाणी

विकास और महंगाई का संतुलन

विकास और महंगाई के बीच संतुलन बनाना भारत के लिए हमेशा से एक चुनौती रही है। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रेपो दर को 6.50 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला किया, जो महंगाई और धीमी जीडीपी वृद्धि के बीच संतुलन साधने की कोशिश है। यह फैसला आम जनता, विशेषकर गरीब और मध्यम वर्ग पर महंगाई के प्रभाव को सीमित करने के उद्देश्य से लिया गया। महंगाई से क्रय शक्ति कमजोर होती है और जरूरी वस्तुओं जैसे भोजन, आवास और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ता है। साथ ही, धीमी आर्थिक वृद्धि रोजगार सृजन को बाधित करती है, जिससे युवाओं और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है। आरबीआई की रणनीति चुनौतियों की गहराई को समझते हुए बनाई गई है। दरों में बढ़ोतरी से बचकर यह आर्थिक पुनर्प्राप्ति के लिए सहारा प्रदान कर रहा है, खासकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम और कृषि जैसे क्षेत्रों में। लेकिन केवल मौद्रिक नीति ही पर्याप्त नहीं है; इसके लिए वित्तीय नीतियों का भी सहयोग जरूरी है। आरबीआई और सरकार के समन्वित प्रयासों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान की है। यदि इन नीतियों का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचता है, तो भारत एक समृद्ध और संतुलित अर्थव्यवस्था के रूप में उभर सकता है।

-डॉ. परमवीर 'केसरी', नोएडा

कुछ खास

गौतम अदाणी को भाजपा सरकार से मिली हुई है 'एम' सिक्योरिटी मिली हुई है। 'एम' का मतलब मोदी सिक्योरिटी। यह ऐसी सिक्योरिटी है जिसके तहत, कोई भी अगर गौतम भाई तक जाने की कोशिश करे तो उसको लोकतंत्र की लाश के ऊपर से हो कर गुजरना होगा।

-**पवन खेड़ा**, कांग्रेस प्रवक्ता

आज का ट्वीट

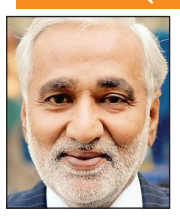

''इलाहाबाद उच्च न्यायालय के जज शेखर कुमार यादव ने जिस तरह संविधान-विरूद्ध टिप्पणी की है, क्या उस पर सुप्रीम कोर्ट को कोई ठोस न्यायिक कदम नहीं उठाना चाहिए?''

-**उर्मिलेश**

बागियों की आसान नहीं राह

सामयिक

शाहीन सबा

सीरिया में तख्तापलट हो गया है। इसके साथ ही वहां असद परिवार का 53 साल से चला आ रहा शासन भी खत्म हो गया। राष्ट्रपति बशर अल-असद देश छोड़कर रूस भाग चुके हैं। विपक्षी लड़ाकों ने सत्ता अपने हाथों में ले ली है। लेकिन असलियत यह है कि सत्ता पर कब्जे के बाद भी विद्रोहियों के लिए देश चलाना आसान नहीं होगा। ऐसा क्यों है, ये जानने के लिए पहले विद्रोह की पूरी कहानी समझना होगी। सीरिया में बशर के पिता हाफिज अल-असद 1971 में सीरिया के राष्ट्रपति बने थे और अगले 29 साल तक देश के राष्ट्रपति रहे। साल 2000 में हाफिज की मौत के बाद बशर ने सीरिया की सत्ता संभाली। इसके बाद से बशर सीरिया के राष्ट्रपति थे।

पश्चिमी एशिया का करीब 3.35 करोड़ आबादी वाला सीरिया, भू-राजनीतिक रूप से अहम देश माना जाता है। इसकी सीमा इराक, तुर्किये, जॉर्डन, लेबनान व इजराइल जैसे देशों से लगती है। सीरिया पर नियंत्रण अहम व्यापार मार्गों, ऊर्जा गलियारों तक पहुंच प्रदान करता है और पूरे क्षेत्र में प्रभाव डालने के लिए एक आधार प्रदान करता है। जहां तक भारत का सवाल है-भारत व सीरिया के रिश्ते अच्छे रहे हैं। 2008 में बशर भारत का दौरा कर चुके हैं। हाल में दोनों मुल्क पावर और सोलर प्लांट प्रोजेक्ट पर साथ काम कर रहे हैं। 2022 में भारत ने इसके लिए 28 करोड़ डॉलर की मदद की घोषणा की थी। विद्रोह से इन प्रोजेक्ट पर असर होगा।

दमिश्क पर कब्जा करने के बाद, एचटीएस अब सीरिया में सबसे महत्वपूर्ण ताकत बन गई है और माना जा रहा है कि वह अब असद शासन द्वारा शासित क्षेत्रों पर नियंत्रण कर चुकी है। इनमें एकता आसान नहीं होगी क्योंकि सीरिया जैसे जटिल क्षेत्र में सशस्त्र समूहों के बीच नियंत्रण और प्रभाव के लिए लड़ाई चलती रहती है।

2011 में जब मिडिल ईस्ट में अरब क्रांति की शुरूआत हुई। तभी सीरिया में भी असद के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हुए। इनको बेरहमी से कुचल दिया गया। इससे एक गृहयुद्ध शुरू हुआ, जिसमें 5 लाख से अधिक लोगों की जान गई और लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा। करीब आठ साल तक सीरिया के गृहयुद्ध में मोर्चे स्थिर रहे, जहां असद की सरकार रूस और ईरान के समर्थन से देश के सबसे बड़े हिस्से पर राज कर रही थी, वहीं, विभिन्न विपक्षी समूह उत्तर और पश्चिम में क्षेत्रों पर नियंत्रण बनाए हुए थे। सीरिया पश्चिमी एशिया में रूस का सबसे भरोसेमंद पार्टनर है। इसलिए रूस बशर को हर तरह की सैन्य, आर्थिक व रणनीतिक मदद देता रहा है।

इन दिनों बदले हालात में रूस और ईरान दोनों ही अपनी-अपनी समस्याओं में उलझे हुए हैं। ईरान जहां इजरायल से लड़ाई में लगा हुआ है तो वहीं रूस भी यूक्रेन के साथ लंबे समय से युद्ध में व्यस्त हैं। इसके मद्देनजर सीरिया के हालात पर उनका ध्यान नहीं है और असद अकेले पड़ गए। इस बीच, सीरियाई विद्रोही गुट हयात तहरीर अल शाम (एचटीएस) ने 2020 की सीजफायर के बाद 27 नवंबर को सेना से फिर जंग छेड़ दी। एचटीएस नामक यह इस्लामिक समूह, पिछले पांच साल से इडलीब प्रांत पर शासन कर रहा था। शुरू में इसने 13 गांवों पर कब्जा कर लिया। इसके बाद एक दिसंबर को देश के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर अधिकार कर लिया। 4 दिन बाद विद्रोही गुटों ने एक और बड़े शहर हमा और फिर दक्षिणी शहर दारा पर कब्जा किया। दारा से ही 2011 में राष्ट्रपति बशर अल-असद के खिलाफ विद्रोह की शुरूआत हुई थी और पूरे देश में जंग छिड़ गई थी। दारा से राजधानी दमिश्क की दूरी करीब 100 किमी है। इसके बाद 8 दिसंबर को दारा शहर की तरफ से विद्रोही लड़ाके राजधानी दमिश्क में घुस गए और कब्जा जमा लिया।

विशेषज्ञों ने दमिश्क पर कब्जे की तुलना अफगान सरकार के पतन से की है, क्योंकि यहां भी सेनाओं ने बिना किसी संघर्ष के आत्मसमर्पण कर दिया। सीरिया पर बारीकी से नजर रखने वाले लोगों ने बताया कि जैसे ही एचटीएस के नेतृत्व वाले विद्रोहियों के समूह ने राजधानी में प्रवेश किया वैसे ही राष्ट्रपति असद देश से भाग निकले। इसके बाद व्यापक भ्रष्टाचार और लंबे समय से चल रहे गृहयुद्ध से थकान के कारण सेना ने भी घुटने टेक दिए।

सबसे बड़ा क्षेत्र सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्सेस (एसडीएफ) के पास है, जो अमेरिका द्वारा समर्थित है और जो पश्चिम और उत्तर-पश्चिम में कुर्दों द्वारा बसाए गए क्षेत्रों पर नियंत्रण रखता है। उत्तर में, जो तुर्की के साथ सीमा लगती है, वहां अंकारा द्वारा समर्थित सीरियाई राष्ट्रीय सेना एचटीएस द्वारा नियंत्रित क्षेत्रों से भी बड़े क्षेत्र पर काबिज है। दमिश्क पर कब्जा करने के बाद, एचटीएस अब सीरिया में सबसे महत्वपूर्ण ताकत बन गई है और माना जा रहा है कि वह अब असद शासन द्वारा शासित क्षेत्रों पर नियंत्रण कर चुकी है। इनमें एकता आसान नहीं होगी क्योंकि सीरिया जैसे जटिल क्षेत्र में सशस्त्र समूहों के बीच नियंत्रण और प्रभाव के लिए लड़ाई चलती रहती है। दक्षिण में, स्थानीय मिलिशिया समूहों ने स्वेइदा और दारा पर नियंत्रण स्थापित किया है। सीरियाई राष्ट्रीय सेना ने एचटीएस के साथ इस हमले में भाग लिया था, लेकिन उनके बीच अतीत में मतभेद रहे हैं और उनके हित अब भी अलग हैं।

असद के सत्ता से हटने के साथ ही सीरिया में करीब 54 साल लंबे असद परिवार के शासन का अंत हो गया। सीरिया के प्रधानमंत्री घाजी अल-जाली ने कहा कि वह शांति से सत्ता हस्तांतरण के लिए विपक्षी समूहों के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं। लेकिन सीरिया के लोगों के लिए आगे क्या होगा, यह एक जटिल सवाल है। एचटीएस के नेता अल-जुलानी ने लोगों द्वारा चुने गए 'काउंसिल' के आधार पर संस्थाओं द्वारा शासित एक सरकार बनाने की योजना के बारे में बात की है। उन्होंने अल्पसंख्यकों को सुरक्षा देने का वादा किया है। लेकिन यह भी कहा है कि शासन इस्लामिक सिद्धांतों पर आधारित होगा। यह तय है कि एचटीएस दमिश्क में किसी भी राजनीतिक सत्ता में एक केंद्रीय भूमिका निभाएगा। लेकिन क्या एसडीएफ या तुर्की समर्थित सीरियाई राष्ट्रीय सेना एचटीएस-नेतृत्व वाले समूहों के साथ मिलकर एक सरकार बनाएगी, यह सवाल अब भी अनुत्तरित है। इन तीन गुटों के बीच गहरी दुश्मनी है। उदाहरण के लिए, सीरियाई राष्ट्रीय सेना के सदस्यों ने एचटीएस के अलेप्पो पर कब्जा करने के बाद एसडीएफ द्वारा क्षेत्रों में कई लोगों की हत्या की थी। वहीं, अमेरिका ने रविवार को सीरिया में आई एसआईएस के 75 से ज्यादा ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। इन हमलों के लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- सीरिया में शक्ति संतुलन बदल गया है। एसआईएस इसका फायदा उठाने की कोशिश में है लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे।

दूसरी ओर तथ्य यह है कि विद्रोही गुट में हयात तहरीर अल-शम और उसके सहयोगी संगठनों को अलकायदा का समर्थन हासिल है। एचटीएस का नेतृत्व अबू मोहम्मद अल-जुलानी कर रहा है। जुलानी ने 2003 में इराक पर अमेरिकी हमले के बाद मेडिकल की पढ़ाई बीच में छोड़कर अल-कायदा ज्वाइन कर लिया था। वह अल कायदा में अबू मुसाब अल-जरकावी का करीबी रहा। 2006 में जरकावी की हत्या के बाद जुलानी को इराक में अमेरिकी सेना ने गिरफ्तार 5 साल जेल रखा था। इसके बाद वह इस्लामिक स्टेट के साथ जुड़ गया था। अमेरिका ने जुलानी पर साल 2017 में 84 करोड़ 67 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा है।

साइबरवर्ल्ड

कानून अंधा या?

हरिशंकर परसाई की एक छोटी सी कहानी है-एक बार नर्क के लोगों ने दीवार तोड़कर स्वर्ग पर कब्जा कर लिया। धर्मराज की अदालत में लंबा मुकदमा चला और नर्क वालों ने मुकदमा जीत लिया। कारण–सारे अच्छे वकील नर्क में थे। भारत की बजबजाती बदबूदार न्याय व्यस्था को समझना है, तो कचहरी तंत्र को समझिये और यहां काम कर रहे वकीलों को समझिये। राजनीतिक दल दुनिया के तमाम बड़े दावे आपके सामने रखते हैं, जैसे भारत को फिर से सोने की चिड़िया बना देंगे और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता दिला देंगे। कोई भूले से भी यह दावा नहीं करता कि कचहरी तंत्र को सुधार देंगे। एकाध बार इस बात पर चर्चा शुरू भी हुई। ये बात भी उठी कि विदेशी लीगल फर्म्स को भारत में प्रैक्टिस की इजाजत दी जाए। इस पर वकीलों ने आफत काट दिया और सरकार को पीछे हटना पड़ा। वकीलों की लॉबी देश की सबसे ताकतवर लॉबी है। कोई बड़ा सुधार तो छोड़ दीजिये कचहरी में जज की कुर्सी के नीचे बैठकर खुलेआम रिश्वत लेने वाला पेशकार और उसके साथ जो पूरा दलाल तंत्र है, उसे भी कोई चुनौती नहीं दे सकता। अगर यकीन ना हो निचली अदालत से किसी फैसले की नकल बिना पैसे दिए निकालकर लाइए, पता चल जाएगा। संगठन और ताकत का ये आलम है कि राष्ट्रीय राजधानी तक में वकील पुलिस को दौड़ा-दौड़ाकर पीटते हैं और कोई कुछ नहीं कर पाता। असल में सुधार कोई नहीं चाहता क्योंकि कानून की भूल-भुलैया से जो रास्ता निकलता है, आखिर में वही सत्ता तक जाता है। दावा शक्ति के पृथकरण का है लेकिन हमेशा से न्यायपालिका का सत्ता तंत्र के साथ गठजोड़ रहा है। दोनों एक-दूसरे की मदद करते हैं और अपने हिसाब से फलते-फूलते हैं। आखिर जज बनने की प्रक्रिया है? दो तरह के लोग जज होते हैं। पहली श्रेणी उन लोगों की है, जो कचहरी में छल-छद्म में प्रवीणता प्राप्त करते हैं, बतौर वकील ताकतवर लोगों से रिश्ता जोड़ते हैं, उनके काम करवाते हैं और फिर नेता-न्यायधीश गठजोड़ को साधकर सीधे जज बन जाते हैं। दूसरी श्रेणी के लोग परीक्षा देकर जज बनते हैं लेकिन दोनों ही इसी इको सिस्टम का हिस्सा हैं, इसलिए व्यवहार में कोई बुनियादी अंतर नहीं है।

-**राकेश कायस्थ** की फेसबुक वॉल से

अमृतवाणी

खुशी का दुश्मन

एक गांव में पति-पत्नी सुखी जीवन जी रहे थे। पति दिनभर राजा के महल में मेहनत करके एक स्वर्ण मुद्रा कमा लेता था। एक दिन महल से घर लौटते समय में उस व्यक्ति को एक यक्ष मिला। यक्ष ने उस व्यक्ति से कहा कि मैं तुम्हें सोने के सिक्कों से भरे सात घड़े दे रहा हूं। तुम्हें ये घड़े अपने घर में मिल जाएंगे। व्यक्ति बहुत खुश हुआ। घर पहुंचकर व्यक्ति ने अंदर कमरे में जाकर देखा तो वहां सात घड़े रखे हुए थे। उनमें से 6 घड़े तो सोने के सिक्कों से पूरे भरे थे, लेकिन एक घड़ा थोड़ा खाली था। जिसे देखकर पति को गुस्सा आ गया और बोला कि यक्ष ने धोखा दिया है। पति गुस्से में यक्ष से मिलने पहुंचा। यक्ष प्रकट हुआ और उसने व्यक्ति से कहा कि सातवां घड़ा तुम अपनी कमाई से भर लेना। व्यक्ति ने सोचा कि थोड़ा सा घड़ा भरने में कुछ ही दिन लगेंगे, मेरे पास बाकी 6 घड़े तो पूरे भरे हैं। घर आकर उसने पत्नी से कहा कि सातवां घड़ा हम खुद भर देंगे। अगले दिन से पति-पत्नी ने बचत करनी शुरू कर दी और खाली खड़े में सोने के सिक्के डालना शुरू कर दिए। बहुत दिनों के बाद भी सातवां घड़ा भरा ही नहीं। घर में पैसों की कमी आने लगी। व्यक्ति की पत्नी ने उसे समझाया, लेकिन वह नहीं माना। घर की शांति भंग हो गई और लड़ाई-झगड़े होने लगे। सुख के दिन दुख में बदल गए। जब राजा को मालूम हुआ कि सेवक के घर में धन की कमी हो गई है तो एक दिन राजा ने सेवक से पूछा कि क्या तुम्हें किसी यक्ष ने सात घड़े दिए हैं? सेवक ने कहा कि जी महाराज। सेवक ने पूरी बात राजा को बताई। राजा ने सेवक से कहा कि तुम अभी जाकर सातों घड़े यक्ष को वापस कर दो, क्योंकि सातवां घड़ा लोभ का है। ये कभी भी भरेगा नहीं। लोभ की भूख कभी शांत नहीं होती है। सेवक को राजा की बात समझ आ गई। इसके बाद पति-पत्नी दोनों सुखी हो गए। लालच को जल्दी से जल्दी छोड़ देना चाहिए, वरना जीवन में समस्याएं बढ़ने लगती हैं।

तीखी नजर

आंकड़ों की काट आंकड़ों के पास

राजेंद्र बज

लोगों के मुंह से सुना है कि आंकड़े कभी झूठ नहीं बोलते। हर एक की मान्यता एवं कथन की पुष्टि करते चले जाते हैं। राजनीति में तो इधर वाले और उधर वाले, आंकड़ों की सहायता से ही अपनी धारणा को दुनिया वालों के सामने प्रामाणिक अंदाज में पेश किया करते है। एक प्रकार से आंकड़े किसी को निराश नहीं करते, जमाने भर के लोगों की मनचाही बात की सत्यता को स्थापित करने में आंकड़ों का बड़ा हाथ है। लोकतंत्र की राजनीति में तो आंकड़ों को उछाल-उछाल कर ही विरोधी पक्ष को पटकनी दी जाती है। मजे की बात यह कि जब आंकड़ों के सहायता से किसी को चित किया जाता है तो आंकड़ों की ही सहायता से वह अपने सामने वाले को भी चित कर सकता है।

अब अपने इधर का मामला ही देखो, अंधभक्तों के पास अंधभक्ति के अनेकानेक कारण है, तो अंधसमर्थकों के पास भी अपने समर्थन के बहुतेरे कारण है। अपने यहां एक वर्ग ऐसा है जो देश की बढ़ती खुशहाली से अत्यधिक प्रसन्न है। तो दूसरा वर्ग ऐसा भी है जो देश की बदहाली से बुरी तरह खिन्न है। जहां तक आम आदमी का प्रश्न है, उसकी हालत तो पुरानी घड़ी के पेंडुलम की भांति हो गई है। ऐसी स्थिति में आजकल के दौर में कोई भी दावा , दावे के साथ नहीं किया जा सकता। हर एक बात पर तमाम तरह के किंतु परंतु उभर कर आते हैं। कभी ऐसा लगता है तो कभी वैसा भी लगता है। दरअसल बड़ी अजीब भूलभुलैया की स्थिति में आप और हम हैं।

जाहिर तौर पर यह कहा जाता है कि जो बात आंकड़ों के द्वारा कही जाती है, तर्कसंगत हुआ करती है। हर किसी के गले बड़ी आसानी से उतर जाती है। लेकिन व्यवहार में ऐसा नहीं होता। आलम तो यह है कि कुछ भी कहो, कुछ भी कहने का आधार बहुत विस्तारित हो गया है। और उस पर आंकड़ों की साज सजा के साथ तो बहुत प्रामाणिक भी हो गया है। ऐसी स्थिति में आम आदमी के पास हंसने के भी हजार कारण है और रोने के भी हजार कारण है। अब यह आदमी पर निर्भर करता है कि वह हंसना पसंद करें या रोना। ऐसी स्थिति में बीच का रास्ता यही है कि हंसना रोना छोड़कर, केवल और केवल मुस्कुरा कर ही ज्ञाता दृष्टा भाव का परिचय दिया जाए।

आंकड़ों की काट केवल आंकड़े ही करते हैं। बीते दिनों चतुर सुजान ने जमाने भर के आंकड़े एकत्रित कर लिए। जिसके आधार पर उन्हें किसी एक निश्चित निष्कर्ष पर पहुंचना था। लेकिन उनका मानसिक संतुलन ही गड़बड़ाने लगा। आखिरकार उन्हें मेरी सलाह काम आई कि पहले यह तय किया जाए कि निष्कर्ष क्या निकालना है? इस आधार पर काम के आंकड़ों पर ही गौर किया जाएं। यकीन करें वह इतना उत्साहित हो गए कि एक ही दिन में एक ही विषय पर एक दूसरे से सर्वथा विपरीत तथ्य हवा में उछालने लगे। हर एक तथ्य को सिद्ध करने के उनके पास तमाम तरह के आंकड़े जो थे! देखते ही देखते वह राजनीतिक दृष्टि से इधर वाले के भी खास हो गए और उधर वाले के भी।

नजरिया

आर्थिक स्थिरता के लिए संतुलित दृष्टिकोण जरूरी

प्रो. आर के जैन

ऋण और संचय के मध्य संतुलन स्थापित करना केवल व्यक्तिगत वित्तीय स्थिरता ही नहीं, अपितु राष्ट्रीय आर्थिक संरक्षा का भी अनिवार्य आधार है। भारतीय समाज को अपनी पारंपरिक आर्थिक दूरदृष्टि अपनाते हुए संतुलित दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता है।

भारतीय रिजर्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट ने देश की आर्थिक संरचना में गहराते असंतुलन को उजागर किया है। बैंकों में जमा धनराशि और वितरित ऋण में अभूतपूर्व वृद्धि ने वित्तीय स्थिरता को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की हैं। जहां जमा राशि में ढाई गुना और ऋण में 4.5 गुना की वृद्धि दर्ज हुई है, वहां यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से संकेत देती है कि भारतीय आर्थिक तंत्र संतुलन खोता जा रहा है। यह असंतुलन न केवल व्यक्तिगत स्तर पर वित्तीय अस्थिरता का कारण बन सकता है, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक स्थिरता के लिए भी संकट खड़ा कर सकता है। भारतीय समाज में सदियों से संचय और बचत को आर्थिक स्थिरता का आधार माना गया है। यह परंपरा आत्मनिर्भरता और वित्तीय सुरक्षा का प्रतीक रही है। लेकिन आधुनिक समय में उपभोक्तावाद और ऋण पर निर्भरता ने इस सोच को चुनौती दी है। विशेष रूप से युवा वर्ग तात्कालिक सुख-सुविधाओं की ओर झुकाव दिखा रहा है।

आज की पीढ़ी भविष्य की सुरक्षा को तात्कालिक इच्छाओं पर बलिदान कर रही है। विज्ञापनों, सोशल मीडिया और बाजार की आक्रामक रणनीतियों ने इस प्रवृत्ति को और अधिक प्रोत्साहित किया है। यह बदलाव केवल व्यक्तिगत निर्णयों तक सीमित नहीं है। जब समाज का एक बड़ा वर्ग ऋण पर निर्भर हो जाता है, तो इसका प्रभाव पूरे आर्थिक ढांचे पर पड़ता है। ऋण के माध्यम से अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने की यह मानसिकता भविष्य की संभावनाओं और वित्तीय स्थिरता को कमजोर कर रही है। ऋण और संचय के बीच संतुलन किसी भी आर्थिक तंत्र के लिए आवश्यक है। संचय न केवल वित्तीय संकट के समय सहायक होता है, बल्कि यह दीर्घकालिक स्थिरता का भी आधार है। इसके विपरीत, ऋण का अत्यधिक उपयोग वित्तीय अस्थिरता को बढ़ाता है। रिपोर्ट के अनुसार, ऋण में हो रही अप्रत्याशित वृद्धि संकेत देती है कि लोग अपनी वास्तविक आवश्यकताओं से अधिक ऋण ले रहे हैं। उपभोक्तावाद की बढ़ती प्रवृत्ति ने इस असंतुलन को और गहराया है। लोग अपनी आय और व्यय के बीच संतुलन बनाए रखने के बजाय भविष्य के संसाधनों को गिरवी रखकर वर्तमान की इच्छाओं को पूरा कर रहे हैं। यह आदत केवल व्यक्तिगत वित्तीय संकट तक सीमित नहीं रहती, बल्कि व्यापक स्तर पर आर्थिक अस्थिरता को जन्म देती है।

इस संकट से निपटने में वित्तीय संस्थानों और सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है। बैंकों को चाहिए कि वे ऋण वितरण में अधिक सतर्कता और विवेक का पालन करें। ऋण केवल उन्हीं व्यक्तियों को दिया जाना चाहिए जिनके पास इसे चुकाने की स्पष्ट योजना हो। यह सुनिश्चित करना होगा कि ऋण का उपयोग वास्तविक आवश्यकताओं के लिए हो, न कि उपभोक्तावादी इच्छाओं को बढ़ावा देने के लिए। सरकार को बचत योजनाओं को बढ़ावा देने और वित्तीय जागरूकता अभियान शुरू करने की जरूरत है। ऐसे प्रोत्साहन कार्यक्रम तैयार किए जाने चाहिए, जो लोगों को बचत की ओर आकर्षित करें। कर प्रोत्साहन और दीर्घकालिक निवेश योजनाएं इसमें सहायक हो सकती हैं। उपभोक्तावाद के नकारात्मक प्रभावों को उजागर करना और आर्थिक अनुशासन को बढ़ावा देना भी आवश्यक है।

वित्तीय अनुशासन केवल सरकार और संस्थानों तक सीमित नहीं है; प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। आय और व्यय के बीच संतुलन बनाना, अनावश्यक खर्चों को सीमित करना और बचत को प्राथमिकता देना हर व्यक्ति के वित्तीय स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। संचय केवल आर्थिक सुरक्षा का साधन नहीं है; यह आत्मनिर्भरता और मानसिक शांति का भी प्रतीक है। लोगों को समझना होगा कि तात्कालिक सुख के लिए भविष्य को दांव पर लगाना दीर्घकालिक दृष्टिकोण से विनाशकारी हो सकता है। ऋण का उपयोग केवल आपातकालीन आवश्यकताओं, शिक्षा या चिकित्सा जैसे आवश्यक उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए। इससे न केवल व्यक्तिगत वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित होगी, बल्कि पूरे आर्थिक तंत्र में स्थिरता आएगी।

भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट ने इस सच्चाई को सामने रखा है कि हमारे वित्तीय तंत्र में असंतुलन तेजी से बढ़ रहा है। ऋण और संचय के बीच यह खाई केवल व्यक्तिगत संकट तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक स्थिरता को भी प्रभावित कर सकती है। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो यह व्यापक आर्थिक संकट का कारण बन सकती है। इस असंतुलन को ठीक करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना होगा। व्यक्तिगत स्तर पर बचत की संस्कृति को पुनर्जीवित करना, वित्तीय अनुशासन को बढ़ावा देना, और ऋण को केवल आवश्यकता तक सीमित रखना आवश्यक है। संस्थागत स्तर पर ऋण वितरण की नीतियों में सुधार और सरकार द्वारा वित्तीय जागरूकता कार्यक्रमों को प्राथमिकता देना भी अत्यंत आवश्यक है।

ऋण और संचय के मध्य संतुलन स्थापित करना केवल व्यक्तिगत वित्तीय स्थिरता ही नहीं, अपितु राष्ट्रीय आर्थिक संरक्षा का भी अनिवार्य आधार है। भारतीय समाज को अपनी पारंपरिक आर्थिक दूरदृष्टि अपनाते हुए संतुलित दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता है। बचत को प्राथमिकता देना तथा ऋण को विवेकपूर्ण प्रबंधन में सीमित रखना आर्थिक स्थायित्व का सुदृढ़ माध्यम बन सकता है। इस चुनौती का समाधान संतुलन और अनुशासन के संयोजन में निहित है। व्यक्तिगत और संस्थागत स्तरों पर वित्तीय अनुशासन का पालन करते हुए भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुदृढ़ आर्थिक नींव तैयार करना अपरिहार्य है।

सार संक्षेप

एलएसजेए को हराकर दैनिक जागरण सेमीफाइनल में

लखनऊ : विमलेश कुमार (4 विकेट) की धारदार गेंदबाजी के बाद प्रहलाद सिंह मावड़ी (नाबाद 48) की उम्दा पारी की मदद से दैनिक जागरण ने एसबीआई कप मीडिया प्रीमियर लीग 2024-25 में एलएसजेए एकादश को सात विकेट से हरा कर सेमीफाइनल में जगह बना ली। गुरू गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के क्रिकेट मैदान पर आयोजित लीग में एलएसजेए एकादश ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 100 रन का स्कोर बनाया जिसके जवाब में दैनिक जागरण ने 15.5 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 101 रन बनाकर मैच जीत लिया। दिन के दूसरे मैच में डीडी एआईआर एकादश वॉकओवर के सहारे विजेता बनीं। इस मैच में प्रतिद्वंद्वी अमर उजाला की टीम मैदान पर उपस्थित नहीं हो सकी थी जिसके बाद अंपायरों ने डीडी एआईआर एकादश को विजेता घोषित किया।

हॉकी इंडिया का एफआईएच कोचिंग कोर्स शुरु

नई दिल्ली : हॉकी इंडिया का कोचिंग में करियर बनाने वाले खिलाड़ियों के लिए 16 दिसंबर से एफआईएच बैच वन, टू और थ्री कोचिंग कोर्स शुरु होगा। हॉकी इंडिया ने कहा कि 16 दिसंबर से शुरु होने वाले एफईएच वन, टू और थ्री बैच के शुरू होने वाले कोचिंग कोर्स की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। हॉकी इंडिया की इस पहल के जरिए खिलाड़ियों को आवेदन और पंजीकरण के लिए खुला मंच उपलब्ध हुआ और इससे हॉकी इंडिया और उसके सदस्यों को देश भर के कोचों और तकनीकी अधिकारियों के साथ काम करने का शानदार अवसर मिल रहा।

गढ़वाल जीती, तरुण संघा ने डीएफसी को हैरान किया

नई दिल्ली : प्रनंजय सिंह के बेहतरीन गोल की मदद से गढ़वाल हीरोज फुटबाल क्लब ने वाटिका फुटबाल क्लब को 2-1 से हरा कर डीएसए प्रीमियर लीग में खराब फार्म के सिलसिले को समाप्त कर पूरे अंक अर्जित किए। यहां अम्बेडकर स्टेडियम मैदान पर खेले गए दिन के दूसरे मुकाबले में दिल्ली फुटबाल क्लब को तरुण संघा के विरुद्ध कड़ा पसीना बहाना पड़ा। लेकिन होकीप के गोल से बढ़त लेने के बावजूद बढ़त कायम रखने में नाकाम रहा। तरुणसंघा के प्लेयर ऑफ द मैच बदलू खिलाड़ी आनंद कुमार ने बेहतरीन रन के साथ गोल भेद कर प्रतिद्वन्दवी के अरमानों पर पानी फेर दिया। मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। गढ़वाल और वाटिका के मध्य खेला गया मैच उतार-चढ़ाव वाला रहा लेकिन वाटिका को आसान मौके गंवाने की कीमत चुकानी पड़ी। हालांकि संदीप के सातवें मिनट के गोल से गढ़वाल ने बढ़त बनाई लेकिन सात मिनट बाद अनमोल अधिकारी ने हिसाब चुकता कर दिया। अंततः प्लेयर ऑफ द मैच प्रणजय सिंह ने विजयी गोल जमा कर गढ़वाल की जीत पर मुहर लगा दी। गढ़वाल इस जीत के साथ मुख्य धारा में लौट आई है। उसके 11 मैचों में 19 और वाटिका के 10 मैचों में 13 अंक बने हैं। तरुण संघा के विरुद्ध महत्वपूर्ण अंक गंवाने वाली डीएफसी के 10 मैचों में 19 और तरुण संघा के 11 मैचों में 10 अंक बने हैं। फाइनल मुकबला आज अम्बेडकर स्टेडियम पर खेला जाएगा।

झारखंड को मिली एकतरफा जीत

जगदलपुर : छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले के रामकृष्ण मिशन आश्रम के मैदान में मंगलवार से शुरु 29 वां राष्ट्रीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड ने तमिलनाडु को 3-0 से हरा कर एकतरफा जीत हासिल की। प्रतियोगिता का पहला दिन काफी रोमांच भरा रहा। हांगकांग, तुर्की, भूटान, बांग्लादेश समेत अन्य विदेशी धरती में जलवा दिखाने वाली झारखंड की अमिषा बाक्सला ने नक्सल प्रभावित नारायणपुर के खेल मैदान में हैट्रिक गोल दाग कर तमिलनाडु की टीम को धूल चटा दिया। अमीषा की हैट्रिक गोल की से झारखंड को एकतरफा जीत हासिल हुआ। मंगलवार को स्पर्धा का पहला उद्घाटन मैच झारखंड और तमिलनाडु के बीच खेला गया। गौरतलब है कि रामकृष्ण मिशन आश्रम में 29वां राष्ट्रीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता चल रहा हैं। झारखंड की अमीषा बाक्सला को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारतीय फुटबॉल महासंघ के उप-महासचिव एम सत्यनारायण जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में 18 रेफरी, दो मैच कमिश्नर और दो रेफरी असेसर भी मौजूद हैं।

मोदी 10वें एशिया प्रशांत बधिर खेलों में 55 पदक जीतने भारतीय दल को दी बधाई

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को 10वें एशिया प्रशांत बधिर खेल 2024 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने वाले भारतीय दल को बधाई दी। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि कुआलालंपुर में आयोजित 10वें एशिया प्रशांत बधिर खेल 2024 में ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए हमारे भारतीय दल को बधाई। हमारे प्रतिभाशाली एथलीटों ने असाधारण 55 पदक जीतकर हमारे देश को बहुत गौरवान्वित किया है, जिससे यह खेलों में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने पूरे देश को, विशेषकर खेलों के प्रति जुनून रखने वाले लोगों को प्रेरित किया है। प्रधानमंत्री ने अपनी इस पोस्ट के साथ भारतीय दल की फोटो भी साझा की। उल्लेखनीय है कि 10वें एशिया प्रशांत बधिर खेल 2024 में भारतीय टीम ने एथलेटिक्स में 28 पदक (5 स्वर्ण, 12 रजत, 11 कांस्य) जीते, जो अब तक का उनका सबसे बेस्ट प्रदर्शन है। इसके अलावा भारत ने बैडमिंटन में 6 पदक (3 रजत, 3 कांस्य), शतरंज में 3 पदक (1 रजत, 2 कांस्य), जूडो में 7 पदक (2 स्वर्ण, 5 कांस्य), टेबल टेनिस में 3 पदक (1 रजत, 2 कांस्य) और कुश्ती में 8 पदक (1 स्वर्ण, 1 रजत, 6 कांस्य) जीते हैं। भारतीय एथलीटों ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए विभिन्न स्पर्धा में 55 पदक जीते।

खो-खो विश्वकप के लिए शुरु हुआ प्रशिक्षण शिविर

नई दिल्ली : भारत की मेजबानी में अगले महीने होने वाले खो खो विश्वकप के लिए राष्ट्रीय टीम का प्रशिक्षण शिविर मंगलवार को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में शुरु हुआ भारतीय खो खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने मंगलवार को यहां बताया कि खो-खो विश्वकप से पहले राष्ट्रीय टीम की तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में प्रशिक्षण शिविर शुरु हुआ। इस प्रशिक्षण शिविर में देश भर से चुने गए 60 लड़कियों और 60 लड़कों को टीम को खेल विषेशज्ञों द्वारा पोल डाइविंग, टैपिंग ,जिग जैग रनिंग ,डाजिंग टैपिंग आदि खो-खो खेल की बारीकियां सिखाई जा रही है।

भारतीय टीम ने शुरू की प्रैक्टिस

बुमराह ने वर्कलोड के चलते हिस्सा नहीं लिया, 14 दिसंबर से खेला जाएगा तीसरा मुकाबला

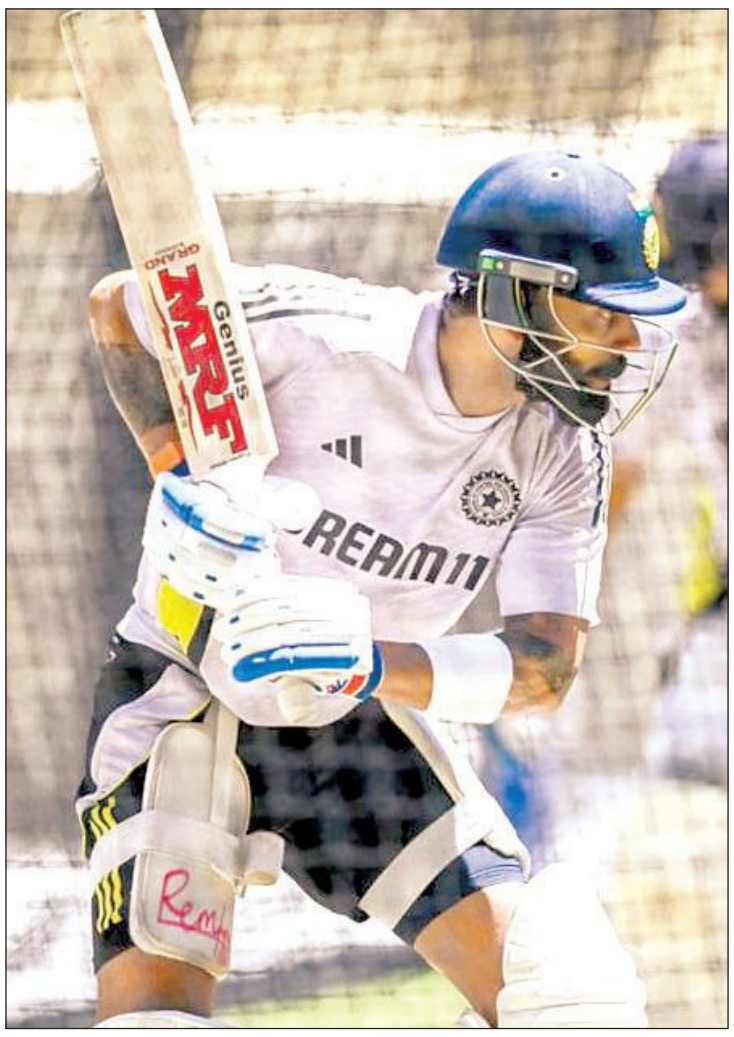

विराट कोहली ने दो मैचों में बनाए हैं 123 रन, जमकर किया अभ्यास

● एडिलेड,

टीम इंडिया बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के ब्रिस्बेन टेस्ट से पहले एडिलेड में मंगलवार को जमकर प्रैक्टिस की। टीम के उप कप्तान और स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा नहीं लिया। वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए उन्हें आराम दिया गया था। तीसरा टेस्ट ब्रिस्बेन में 14 दिसंबर से खेला जाएगा।

टीम इंडिया फिलहाल एडिलेड में हैं। दूसरा मुकाबला यहीं खेला गया था। टीम जल्द ही ब्रिस्बेन के लिए रवाना होगी। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया के जरिए एक वीडियो शेयर किया, जिसमें भारतीय खिलाड़ी अभ्यास करते हुए दिख रहे हैं। जसप्रीत बुमराह ने इस मैच के शुरूआती दो मैचों में 12 विकेट लिए हैं। 5 मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर हैं। भारत ने पर्थ टेस्ट 295 रन से जीता था। वहीं दूसरा मैच ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीता था। सीरीज का तीसरा मुकाबला 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेला जाएगा। कोहली ने ज्यादा गेंदे बैकफुट पर खेली। तीसरे मैच में भी केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ओपनिंग कर सकते हैं। दोनों ने प्रैक्टिस सेशन में पहले बैटिंग शुरू की। इसके बाद भारतीय बैटिंग ऑर्डर के बाकी खिलाड़ी आए, जिनमें शुभमन गिल, विराट कोहली, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत शामिल हैं। वहीं, कोहली ने एडिलेड नेट्स में बाउंस के कारण बैकफुट पर ज्यादा गेंदे खेली। विराट कोहली ने दो मैचों में 123 रन बनाए हैं। भारत इस हार के बाद भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा साइकल में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। टीम इंडिया के 57.29% पॉइंट्स हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 59.26% पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है। साउथ अफ्रीका 60.71% लेकर पहले स्थान पर पहुंच गया है।

सिराज के सेलिब्रेशन पर उठे सवाल

● एडिलेड,

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर ने मोहम्मद सिराज के सेलिब्रेशन पर सवाल उठाया है। 60 साल के पूर्व कप्तान ने कहा कि सिराज में अंपायर के फैसले का इंतजार किए बिना समय से पहले विकेट लेने का जश्न मनाने की आदत है। टीम इंडिया में उनके सीनियर साथियों को इस मसले पर सिराज से बात करनी चाहिए, क्योंकि ऐसा करना बुरा लगता है।

टेलर ने कहा कि सिराज को जब लगता है कि उन्होंने बल्लेबाज को आउट कर दिया है तो वे अंपायर का फैसला आने से पहले ही सेलिब्रेट करने के लिए अपने साथियों की तरफ दौड़ पड़ते हैं। भारतीय तेज गेंदबाज पर ट्रैविस हेड के खिलाफ अग्रेसिव सेलिब्रेशन के लिए आईसीसी ने मैच फीस पर 20% जुमार्ना लगाया था। जहां तक मोहम्मद सिराज का सवाल है, तो मैं चाहूंगा कि उनकी टीम के सीनियर साथी उनसे बात करें। ट्रैविस हेड के साथ जो हुआ उसके बारे में इतना नहीं, बल्कि इस चीज को लेकर उनसे बात की जानी चाहिए कि जब उन्हें लगता है कि उन्होंने बल्लेबाज को आउट कर दिया है तो वह अंपायर का फैसला देखने के लिए पलटते नहीं है और सेलिब्रेट करना शुरू कर देते हैं। मुझे लगता है कि यह उनके और खेल के लिए अच्छा नजारा नहीं होता है। मुझे

उसका जोश पसंद है, मुझे उसका प्रतिस्पर्धी स्वभाव पसंद है, मुझे यह फैक्ट पसंद है कि हमारे पास वास्तव में एक अच्छी सीरीज चल रही है, लेकिन खेल का सम्मान भी है जिसे बनाए रखने की जरूरत है। मुझे लगता है कि सीनियर साथियों के साथ बात करने से उसे इस चीज को समझने में मदद मिलेगी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बैटर साइमन कैटिच ने रएठ रेडियो से कहा कि सिराज के दिमाग ने कुछ देर के लिए काम नहीं किया और इस भारतीय तेज गेंदबाज को बाद में इसका पछतावा भी हुआ। यह शर्मनाक है कि सिराज ने तब दिमाग से काम नहीं

मार्क टेलर ने कहा-वे अंपायर के फैसले का भी इंतजार नहीं करते, साथियों को रोकना चाहिए

लिया। खेल में इस तरह के व्यवहार की कोई जरूरत नहीं है। एडिलेड टेस्ट के दौरान हेड से थोड़ी बहस करने के बाद सिराज चर्चा का विषय बन गए हैं। पिंक बॉल टेस्ट मैच के दूसरे दिन 7 दिसंबर को हेड ने सिराज की बॉल पर छक्का जमाया। फिर सिराज ने अगली ही बॉल पर उन्हें बोल्ड कर दिया। 140 के स्कोर पर आउट होने के बाद हेड ने सिराज को कुछ शब्द कहे। इस पर सिराज ने उन्हें डगआउट में जाने का इशारा कर दिया। मैच के बाद हेड ने कहा कि मैं उनकी सराहना कर रहा था। मैंने केवल बेल बॉल बोला था। वहीं, सिराज ने कहा कि वे झूठ बोल रहे हैं। एडिलेट टेस्ट के दौरान ट्रैविस हेड और मोहम्मद सिराज की बहस चर्चा की विषय रही। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 10 विकेट से जीतकर 5 मैच की सीरीज 1-1 से बराबर की। भारतीय टीम ने पर्थ टेस्ट को 295 रनों से जीतकर 1-0 की बढ़त हासिल की थी। सीरीज का तीसरा मुकाबला 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेला जाएगा।

साई सुदर्शन ने स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी करवाई

नई दिल्ली, वार्ता : तमिलनाडु और गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाज बी साई सुदर्शन ने लंदन में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी करवाई है। लंदन में सर्जरी के बाद साई सुदर्शन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि मैं जल्द ही और मजबूत होकर वापस लौटूगा। 23 वर्षीय बल्लेबाज सुदर्शन एकदिवसीय और टी-20 में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण कर लिया है। उन्होंने केवल एक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी-20 मैच खेला, जिसमें उन्होंने त्रिपुरा के खिलाफ नौ रन बनाए थे उसके बाद वह बेंगलुरु में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में चले गए। ऐसा माना जा रहा है वह 21 दिसंबर से 18 जनवरी तक चलने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के 50 ओवर के घरेलू टूर्नामेंट में नहीं खेल पाएंगे। सुदर्शन को पिछले महीने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 मेगा नीलामी से पहले जीटी द्वारा रिटेन किया गया था।

आईसीसी ने कोच पर लगाया छह साल का प्रतिबंध

दुबई, वार्ता : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अबू धाबी टी-10 लीग में पुणे डेविल्स के पूर्व सहायक कोच सनी ढिल्लों को मैच फिक्सिंग और भ्रष्टाचार का दोषी पाये जाने पर क्रिकेट के सभी प्रारूपों में छह वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया है। आईसीसी ने जांच में पाया कि ढिल्लों ने अमीरात क्रिकेट बोर्ड के भ्रष्टाचार विरोधी संहिता का उल्लंघन किया है। ढिल्लों उन आठ लोगों में शामिल थे, जिनके ऊपर पिछले वर्ष आरोप लगे थे। इसमें बांग्लादेश के ऑलराउंडर नासिर हुसैन, पुणे डेविल्स के सह मालिक (कृष्ण कुमार चौधरी और पराग संघवी), दो घरेलू खिलाड़ी, टीम के बल्लेबाजी कोच अशार जैदी और टीम मैनेजर शादाब अहमद शामिल थे। हुसैन पर इस वर्ष जनवरी में दो साल के लिए प्रतिबंधित लगाया गया था जैदी, संघवी और चौधरी को अगस्त 2024 में भ्रष्ट गतिविधियों में संलिप्त रहने और अमीरात क्रिकेट बोर्ड के भ्रष्टाचार विरोधी संहिता का उल्लंघन करने की बात स्वीकारने के बाद प्रतिबंधित कर दिया गया था। आईसीसी के जारी बयान के अनुसार ढिल्लों को अनुच्छेद 2.1.1-अबू धाबी टी-10 2021 में मैचों या उनके पहलुओं को फिक्स करने, या गलत तरीके से प्रभावित करने के प्रयास में पक्षकार बनना।

आईसीसी ने अमेरिका की लीग को किया बैन

प्लेइंग-11 नियमों का उल्लंघन किया: लीग से तेंदुलकर, गावस्कर, अकरम जैसे नाम जुड़े

● दुबई,

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने अमेरिका की नेशनल क्रिकेट लीग (एनसीएल) को बैन कर दिया है। आईसीसी ने यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका क्रिकेट (यूएसएसी) को लेटर लिखकर लीग के भविष्य के संस्करणों को मंजूरी नहीं देने के फैसले की जानकारी दी। लेटर में लिखा गया कि लीग में प्लेइंग इलेवन नियमों का पालन नहीं हुआ है। टी-10 फॉर्मेट के इस टूर्नामेंट में 6-7 विदेश खिलाड़ी खिलाए गए थे।

एनसीएल का पहला सीजन 4 से 14 अक्टूबर के बीच हुआ था। रॉबिन उथप्पा की कप्तानी वाली शिकागो सीसी ने अटलांटा किंग को 43 रनों से हराते हुए खिताब जीता था। क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ने उन्हें ट्रॉफी दी।

आईसीसी के नियम के अनुसार लीग में खेलने वाली हर टीम की प्लेइंग इलेवन में कम से कम 7 अमेरिकी खिलाड़ी होने चाहिए, लेकिन कई मैचों में 6-7 विदेशी खिलाड़ियों को उतारा गया। मैचों में ड्रॉप-इन पिचों का इस्तेमाल किया गया, जो बहुत ही खराब थीं। पिचें इतनी खराब थीं कि वहाब रियाज और टाइमल मिल्स को स्पिन गेंदबाजी करनी पड़ी, ताकि बैटर्स को चोट न लगे। लीग के अधिकारियों ने विदेशी खिलाड़ियों को मौका देने के लिए अमेरिका के इमिग्रेशन नियमों को भी तोड़ा गया। अमेरिका में स्पोर्ट्स कैटेगरी के वीजा के लिए 6 टीमों के लिए कम से कम 2 लाख वर डॉलर लगते हैं। पैसे बचाने के लिए कई खिलाड़ी स्पोर्ट्स वीजा से नहीं आए। इस लीग में पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना, दिनेश कार्तिक और पाकिस्तान के दिग्गज ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने हिस्सा लिया था। एनसीएल ने वसीम अकरम और विवियन रिचर्ड्स जैसे पूर्व क्रिकेटर्स को ब्रॉन्ड ऐंबैस्डर बनाया था। इसने भारत के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर को अपने ओनरशिप ग्रुप में शामिल किया था। आईसीसी के प्रतिबंध के बाद एनसीएल (नेशनल क्रिकेट लीग) गूगल में खूब सर्च किया जा रहा है।

फाइल फोटो

गुजरात को हराकर तालिका में छठे स्थान पर पहुंचे पिंक पैंथर्स

पुणे, रेड मशीन अर्जुन देसवाल (13) और उनके साझीदार नीरज नरवाल (8) के साथ-साथ डिफेंडर अंकुश (5) के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत जयपुर पिंक पैंथर्स ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में मंगलवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 103वें मैच में गुजरात जाएंट्स को 42-29 के अंतर से हराकर अंक तालिका में छठा स्थान हासिल कर लिया है। 18 मैचों में नौवी जीत हासिल करने वाली जयपुर ने अपने रेडरों की बदौलत शानदार शुरुआत करते हुए पांच मिनट में 8-3 की लीड बना ली थी। गुजरात के लिए मुश्किल का क्षण था क्योंकि वे आलआउट की कगार पर थे। अंतिम खिलाड़ी के तौर पर हिमांशु रेड पर गए और दो अंक लेकर लौटे लेकिन अगले ही पल आलआउट लेकर जयपुर ने 13-5 की लीड ले ली। इसके साथ जयपुर ने दो मैचों के बाद जीत की पटरी पर लौटी जबकि गुमान (9) और राकेश (9) के परफार्मेंस के बावजूद गुजरात हारा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)